दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -147 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, रविवार, 17 मई, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंडी भागीरथ ने किया सरेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी | केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंडी भागीरथ ने POCSO मामले में शनिवार (16 मई 2026) को पुलिस के सामने सरेंडर किया. केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने स्वीकार किया है कि उनका बेटा बंदी साई भागीरथ, जो POCSO मामले में आरोपी है, पूरे समय उनके साथ ही था. केंद्रीय मंत्री खुद अपने बेटे को लेकर आए और वकीलों के ज़रिए उसे पुलिस के हवाले कर दिया. इस कबूलनामे ने इस बात पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं कि पुलिस ने फरार आरोपी को पनाह देने के लिए खुद केंद्रीय मंत्री को गिरफ्तार क्यों नहीं किया.

बंदी संजय ने माना कि उनका बेटा उनके साथ ही था - यह मामला केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी साई भागीरथ से जुड़ा है. भागीरथ साइबराबाद के पेटबशीराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज POCSO मामले में मुख्य आरोपी हैं. उसके पिता बंदी संजय केंद्रीय मंत्री हैं और गृह राज्य मंत्री के तौर पर गृह मंत्रालय का प्रभार भी संभालते हैं. बंदी संजय ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि मामला दर्ज होने के बाद उनका बेटा उनके साथ ही था. उन्होंने कहा, 'जैसे ही POCSO मामले में शिकायत आई, मैं उसे पुलिस स्टेशन में सौंपना चाहता था, लेकिन हमने अपने वकीलों से सलाह ली और उन्हें हमारे पास मौजूद सबूत दिखाए.'

गाजियाबाद में दूध की कीमत बढ़ाने पर भड़का ग्राहक, दुकान को लगाई आग, बाल बाल बचा परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी | गाजियाबाद में दूध की कीमतों में बढ़ोत्तरी ने हिंसक रूप लिया है, दूध के रेट बढ़ाए जाने से नाराज युवक ने अपने साथी के साथ मिलकर परचून दुकान में आग लगा दी. बताया गया कि आरोपियों ने दुकानदार से रेट बढ़ाए जाने पर विवाद किया था, जिस पर दुकानदार ने पुलिस से मामले की शिकायत की थी. पुलिस में शिकायत किए जाने से नाराज युवकों ने बंद दुकान को आग के हवाले कर दिया. हालांकि, आग ज्यादा न फैलने की वजह से बड़ा नुकसान टल गया. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. जानकारी के मुताबिक, गाजियाबाद के थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र के संगम विहार में मनोज की परचून की दुकान है. शिकायकर्ता मनोज की तरफ से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, तीन लड़के उसकी दुकान पर दूध लेने आए थे. दूध के बढ़े हुए दाम को लेकर युवकों ने झगड़ा शुरू कर दिया. इसके बाद दुकानदार ने मामले की शिकायत पुलिस से की. पुलिस से शिकायत से नाराज होकर शाम को आए लड़कों ने दुकान पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी.

दुकान के साथ परिवार के लोगों को जिंदा जलाने की कोशिश – परचून दुकानदार मनोज के मुताबिक, 15 मई को ब्रहम, छोटू विक्की और उनके अन्य साथी ने इस वारदात को अंजाम दिया है. वारदात रात 8:30 बजे अंजाम दी गई. परिवार बाहर ना निकल सके, इसीलिए घर की कुंडी भी लगा दी गई. गनीमत रही कि पड़ोसियों ने उन्हें सही सलामत निकल लिया.

दूध की बढ़ी कीमत को लेकर हुआ था विवाद – मनोज के मुताबिक, 15 मई की सुबह यह दूध लेने आए थे. दूध के बढ़े रेट को लेकर इन्होंने विवाद किया था. मनोज ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी. मनोज के मुताबिक, पुलिस ने आकर मामला शांत करा दिया था लेकिन बाद में पुलिस से शिकायत किए जाने पर युवक भड़क गए.

न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा: भारत के मुख्य न्यायाधीश श्री सूर्यकांत

न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से आम नागरिकों को मिलेगा त्वरित न्याय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल प्रतिनिधि

भोपाल | भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा है कि अमरकंटक से निकलने वाली मां नर्मदा, छोटी-छोटी नदियों के मिलने से विशाल स्वरूप प्राप्त करती है। इसी प्रकार नई तकनीक की धाराओं के माध्यम से कोर्ट, पुलिस, प्रिजन, फॉरेंसिक और मेडिको लीगल की शाखाएं यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म में एकाकार होते हुए न्याय पाने में आमजन के लिए सहायक सिद्ध होंगी। आम नागरिक को त्वरित रूप से न्याय देने के लिये न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा नागरिकों के लिए डिजिटल सेवाओं का विकास कर न्याय प्रक्रिया को तेज और सरल बनाना सराहनीय और अनुकरणीय है। उच्च न्यायालय के

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से समय पर बंदियों को मुक्त करने, अर्जेंट हियरिंग, कोर्ट ऑर्डर के डिजिटलीकरण जैसी अनेक सुविधाएं मिलेंगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था देश के सभी न्यायालयों में लागू की जाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत जबलपुर में आयोजित फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजनः एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन कानूनविद एवं न्यायविद उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश पुलिस के सहयोग से वॉर्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का हुआ शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में वंदे मातरम और जन गण मन के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। पुष्पगुच्छ और प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर हाईकोर्ट के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की लॉन्चिंग की गई। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए अपना नया CLASS (कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम) लॉन्च किया। यह एक ओटीटी स्टाइल में तैयार किया गया डिजिटल सिस्टम है।

हालात अच्छे नहीं हुए तो खत्म हो सकता सब कुछ, ऊर्जा संकट को लेकर पीएम मोदी ने चेताया

• नई दिल्ली, एजेंसी

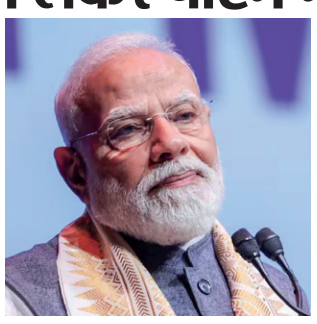

नई दिल्ली | नीदरलैड्स के द हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को ऊर्जा संकट को लेकर आगाह किया. पीएम मोदी ने कहा कि लगातार युद्ध और वैश्विक अस्थिरता दशकों के विकास को उलट सकती है और बड़ी आबादी को फिर से गरीबी में धकेल सकती है. इस दौरान पीएम मोदी दुनिया को भारत की उपलब्धियां भी बताई.

पीएम मोदी ने कहा, 'आज मानवता के सामने अनेक बड़ी चुनौतियां भी हैं. पहले कोरोना आया, फिर युद्ध होने शुरू हो गए और अब ऊर्जा संकट है. ये दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बन रहा है. अगर यह स्थिति जल्द नहीं बदली, तो बीते दशकों की उपलब्धियां खत्म हो सकती है. दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा फिर से गरीबी के जाल में फंस सकता है.'

पीएम मोदी ने अपने देश की उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा, 'बीते वर्षों में भारत ने धरती से चंद्रमा की दूरी जितनी है, उससे भी 11 गुना अधिक ऑप्टिकल फाइबर बिछाया है. एक दशक पहले हम मोबाइल फोन इंपोर्ट करते थे, आज भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्यूफेक्चरर है. इसके अलावा आज के भारत की एक और पहचान है. आज का भारत इनोवेशन पॉवर है. आज हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चर्चा पूरी दुनिया में होती है. ये भारतीयों के इनोवेशन का बहुत बड़ा प्रमाण है.' पीएम मोदी ने कहा, 'आज हमारा भारत बहुत बड़ा सपना देख रहा है. आज देश कह रहा है- हमें सिर्फ ट्रांसफॉर्मेशन नहीं चाहिए, हमें बेस्ट चाहिए, हमें फास्टेस्ट चाहिए. इसलिए जब भारत में Aspirations Unlimited हैं, तो Efforts भी Limitless हो रहे हैं. आज भारत का युवा आसमान छूना चाहता है. आज का भारत एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है. आपने हाल में देखा होगा कि दुनिया की सबसे बड़ी और सफल AI समिट भारत ने आयोजित की. उससे पहले G-20 की सफल समिट भी भारत ने आयोजित की थी. पीएम मोदी ने कहा, 'स्टार्टअप आज भारत के युवाओं का मिजाज बन चुका है. 12 साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप्स थे. आज ये संख्या बढ़कर दो लाख से ज्यादा हो गई है. स्टार्टअप की दुनिया में 2014 में भारत में सिर्फ चार यूनिकॉर्न थे, आज यहां करीब सवा सौ यूनिकॉर्न हैं.

प्रयागराज में धधकती आग से बच्चों की जिंदा बचा लाई मां, फिर इलाज के दौरान तोड़ दिया दम

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रयागराज के नैनी बाजार इलाके में एक दर्दनाक हादसे में एक मां ने अपने बच्चों को बचाने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी. यह घटना 12 मई की रात की है, जब एक क्रॉकरी कारोबारी के घर में अचानक भीषण आग लग गई. पुलिस के मुताबिक, नैनी बाजार के चैपियन गली में तीन भाइयों का परिवार रहता है.

पुलिस ने बताया कि घर के ग्राउंड फ्लोर पर दुकान और गोदाम था, जबकि महिलाएं और बच्चे ऊपर की मंजिल पर मौजूद थे. रात करीब 9 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण नीचे गोदाम में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया. आग तेजी से फैलने लगी और धुएं का गुबार ऊपर तक पहुंच गया. नीचे से निकलने का कोई रास्ता नहीं था, सभी लोग जान बचाने के लिए छत पर पहुंच गए. संकरी गली होने के कारण फायर ब्रिगेड को पहुंचने में भी समय लग गया.

महिला ने साहस दिखाकर बचाई बच्चों की जान - इसी दौरान संजीव केसरवानी की पत्नी अर्चना ने हिम्मत नहीं हारी. सामने वाली गली में पड़ोसी की छत दिखाई दे रही थी. अर्चना ने सबसे पहले अपने एक साल के बच्चे को चादर में लपेटा और करीब 12 फीट दूर पड़ोसी की छत की ओर उछाल दिया. वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह बच्चे को सुरक्षित पकड़ लिया.

बच्चों को बचाते-बचाते बुरी तरह झुलसी मां – इसके बाद सीढ़ी की मदद से अर्चना ने अपनी 13 साल और 10 साल की दोनों बेटियों को भी पड़ोसी की छत तक सुरक्षित पहुंचा दिया.

भोजशाला पर एएसआई का बड़ा फैसला: नया आदेश जारी, अब बिना किसी रोक-टोक के होगी 365 दिन पूजा; मस्जिद का नाम हटा

• इंदौर, एजेंसी

धार | धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला विवाद में एक बड़ा और महत्वपूर्ण मोड़ सामने आया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के हालिया आदेश के परिप्रेक्ष्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा एक नया प्रशासनिक आदेश जारी किया गया है। नई व्यवस्था के तहत एएसआई ने पहली बार इस ऐतिहासिक स्थल को प्रशासनिक तौर पर राजा भोज द्वारा स्थापित भोजशाला एवं संस्कृत पाठशाला के रूप में संबोधित किया है। इससे पहले इस परिसर के साथ प्रयुक्त होने वाले कमाल मौला मस्जिद संबंधी उल्लेख को स्वीकार नहीं किया गया था।

दावे के मुताबिक, नई व्यवस्था के तहत एएसआई ने पहली बार इस ऐतिहासिक स्थल को प्रशासनिक तौर पर "राजा भोज द्वारा स्थापित भोजशाला एवं संस्कृत पाठशाला" के रूप में संबोधित किया है। इससे पहले इस परिसर के साथ प्रयुक्त होने वाले कमाल मौला मस्जिद संबंधी उल्लेख को स्वीकार नहीं किया गया था।

खुद तय कर ले कि इतिहास या भूगोल का हिस्सा बनना है, सेना प्रमुख की पाक को चेतावनी

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को पाकिस्तान को अपनी धरती पर आतंकवादियों को पनाह देने के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि पड़ोसी देश को यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का हिस्सा। उनकी यह टिप्पणी भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। सेना प्रमुख (सीओएएस) नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' द्वारा आयोजित एक सत्र में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। जनरल द्विवेदी से पूछा गया कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर को जन्म देने वाली परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना क्या प्रतिक्रिया देगी।

ऑपरेशन सिंदूर के 1 साल - सेना प्रमुख ने कहा कि यदि आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने जो कहा है... वह यह है कि पाकिस्तान, यदि वह आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ अभियान चलाना जारी रखता है, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का। ऑपरेशन सिंदूर पिछले वर्ष 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में शुरू किया गया था। इसके तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लश्कर-ए-तैबा (एलईटीटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कई आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। बाद में पाकिस्तान ने भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसके जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जो ऑपरेशन सिंदूर का ही हिस्सा थी। यह संघर्ष लगभग 88 घंटों तक चला, जिसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अपने भारतीय समकक्ष को फोन करके युद्धविराम का अनुरोध किया।

हालांकि चार दिवसीय सैन्य संघर्ष 10 मई को समाप्त हो गया, लेकिन भारतीय नेतृत्व ने बार-बार कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर को केवल स्थगित किया गया है और पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की दुस्साहस के खिलाफ चेतावनी दी है। भारतीय सेना ने यह भी कहा कि भारतीय सेना संघर्ष के चारों दिन तनाव की स्थिति पर हावी रही।

100 साल बाद नीदरलैंड ने भारत को लौटाई 11वीं सदी की बेशकीमती धरोहर, पीएम मोदी ने जताई खुशी

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (16 मई 2026) को रॉयल पैलेस में नीदरलैंड के राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से मुलाकात की. इसके बाद पीएम मोदी ने बताया कि 11वीं शताब्दी (Chola Era) के चोल राजवंश के तांबे के पत्र (कॉपर प्लेट्स)अब नीदरलैंड्स से वापस भारत लाए जाएंगे. इस ऐतिहासिक फैसले को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए बेहद खुशी का पल है. भारत लाए जाएंगे चोल राजवंश के ताम्र-पत्र - पीएम मोदी एक्स पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'हर भारतीय के लिए बेहद खुशी का पल! चोल राजवंश के तांबे के पत्र (ताम्र-पत्र) नीदरलैंड से भारत वापस लाए जाएंगे. प्रधानमंत्री रॉब जेटेन की मौजूदगी में, मैंने इस समारोह में हिस्सा लिया. ये चोल कॉपर प्लेट्स कुल 24 प्लेटों का एक सेट है, जिसमें 21 बड़ी और 3 छोटी प्लेटें हैं. इन पर दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषाओं में से एक तमिल भाषा में लेख लिखे हुए हैं. ये दस्तावेज महान राजा राजेंद्र चोल प्रथम (Rajendra Chola I) के समय के हैं, जिन्होंने अपने पिता, राजा राजराजा प्रथम द्वारा किए गए एक मौखिक वादे को औपचारिक रूप दिया था.' पीएम मोदी ने लिखा, 'ये चोलों की महानता को भी दर्शाते हैं. हम भारतीय चोलों, उनकी संस्कृति और उनकी समुद्री ताकत पर बेहद गर्व करते हैं. मैं नीदरलैंड सरकार और विशेष रूप से लीडेन विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त करता हूं, जहां ये ताम्र-पत्र 19वीं सदी के मध्य से संभालकर रखा गया था.' ये तांबे की प्लेटें एक सौ साल से ज्यादा समय तक डच प्रशासन के पास रहीं.

पश्चिम बंगाल में महिला पुलिसकर्मियों को बड़ी राहत! शुभेंदु अधिकारी ने कर दिया बड़ा ऐलान

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल सरकार ने पुलिस कल्याण बोर्ड को भंग कर दिया है. दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में प्रशासनिक समीक्षा बैठक के बाद उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमला किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और राज्य में कानून-व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाएगा.

'अब कानून का शासन है' - अधिकारी :शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पहले राज्य में 'शासकों का कानून' चलता था, लेकिन अब 'कानून का शासन' लागू है. उन्होंने कहा कि पुलिस कल्याण बोर्ड का गठन अच्छे उद्देश्य से किया गया था, लेकिन समय के साथ यह एक राजनीतिक संगठन का रूप ले चुका था. उन्होंने आरोप लगाया कि बोर्ड का इस्तेमाल अवैध तरीके से नौकरी की अवधि बढ़ाने और कुछ लोगों को व्यक्तिगत लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा था. इसी वजह से सरकार ने इसे भंग करने का फैसला लिया.

महिला पुलिसकर्मियों को गृह जिले में पोस्टिंग - मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि महिला पुलिसकर्मियों को उनके गृह जिलों में ही तैनाती देने को प्राथमिकता दी जाएगी. उन्होंने कहा कि इससे महिला कर्मियों को नौकरी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच बेहतर संतुलन बनाने में मदद मिलेगी.

सीमा क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश - बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस को बांग्लादेश सीमा से लगे नदी क्षेत्रों में घुसपैठ को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए. उन्होंने संवेदनशील इलाकों में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने को कहा. शुभेंदु अधिकारी ने ऑटो-रिक्शा और टोटो (ई-रिक्शा) चालकों से अवैध वसूली पर भी सख्त नाराजगी जताई.

उन्होंने कहा कि इस तरह की वसूली तुरंत बंद होनी चाहिए. उन्होंने लोगों से शिकायत दर्ज कराने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस हर शिकायत की जांच करेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में सपा सांसद अजेंद्र लोधी की सफाई

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | महोबा में हमीरपुर तिंदवारी से सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी के प्रधानमंत्री मोदी पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में नया मोड़ आ गया है. वीडियो वायरल होने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आए सांसद ने खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है. सांसद अजेंद्र सिंह ने दावा किया है कि वायरल वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई तकनीक के जरिए उनके शब्दों से छेड़छाड़ कर इसे बदनाम करने की साजिश रची गई है. यहीं नहीं उन्होंने बुंदेली कहावत 'लवार बड़ा या दौंदा' का जिक्र कर बीजेपी पर निशाना साधा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी के आरोपों से घिरे हमीरपुर-महोबा लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा, ''मैंने देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ किसी भी आपत्तिजनक या अमर्यादित शब्द का इस्तेमाल नहीं किया.'' इंटरनेट और मोबाइल तकनीक से खुद को दूर बताने वाले सपा सांसद ने इस पूरे विवाद का ठीकरा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई पर फोड़ा है. उन्होंने आगे कहा, ''उन्हें बाद में पता चला कि एआई जैसी तकनीक से शब्दों को काटा जा सकता है और यहाँ तक कि नर से नारी और नारी से नर बनाया जा सकता है.'' सांसद ने आरोप लगाया कि किसी शरारती तत्व ने उनकी फोटो को एक जल्लाद के शरीर पर लगाकर भी वायरल किया है.

नीट पेपर लीक के बाद जान देने वाले छात्रों की मौत का जिम्मेदार कौन? कांग्रेस ने पूछा सवाल

इंदौर | इंदौर में नीट परीक्षा निरस्त होने के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने एक बड़ा मोर्चा खोल दिया है। शहर कांग्रेस और जिला कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में इस गंभीर मुद्दे को लेकर एक विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और परीक्षा नियामक एजेंसियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नेताओं का कहना था कि देश की इतनी प्रतिष्ठित परीक्षा का पेपर लीक होना बेहद शर्मनाक है और इसकी वजह से देशभर के लाखों होनहार विद्यार्थियों का भविष्य पूरी तरह से अंधकार में लटक गया है।

रीगल चौराहे पर उमड़ा जनसैलाब - कांग्रेस द्वारा आयोजित यह धरना प्रदर्शन इंदौर के प्रमुख रीगल चौराहे पर आयोजित किया गया था। इस विरोध प्रदर्शन की खास बात यह रही कि इसमें केवल राजनेता ही शामिल नहीं हुए, बल्कि बड़ी संख्या में आम शहरवासी, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी स्वेच्छा से अपनी आवाज बुलंद करने पहुंचे। प्रदर्शन में शामिल नागरिकों ने बेहद आक्रोशित स्वर में कहा कि देश में पिछले कुछ समय से लगातार विभिन्न प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इतनी बड़ी लापरवाहियों के बाद भी आज तक किसी की भी जवाबदेही या जिम्मेदारी तय नहीं की गई है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने उठाए सवाल - इस मौके पर मौजूद प्रदेश के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आजाद भारत के इतिहास में देश में शिक्षा का स्तर कभी भी इतना नीचे नहीं गिरा है जितना वर्तमान समय में गिर चुका है। एक तरफ जहां सरकारी स्कूल लगातार बंद होते जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ जो परीक्षाएं हो रही हैं उनके पेपर धड़ल्ले से लीक हो रहे हैं। वर्मा ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस अव्यवस्था के कारण छात्र अपना उज्ज्वल भविष्य बनाने की जगह मानसिक तनाव में आकर गलत रास्तों पर जाने को मजबूर हो रहे हैं। यदि युवाओं को समय पर बेहतर और पारदर्शी शिक्षा नहीं दी गई, तो न केवल इन छात्रों का बल्कि पूरे देश का भविष्य गहरे संकट में पड़ जाएगा।

सत्ता संरक्षण और जांच पर खड़े हुए प्रश्न - धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता देवेंद्र सिंह यादव ने इस पूरे घटनाक्रम के पीछे बड़ी साजिश की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की और इतनी बड़ी परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है, लेकिन बेहद अचंभे की बात है कि मुख्य जिम्मेदार और दोषी लोग अभी तक पुलिस तथा अन्य जांच एजेंसियों की गिरफ्त से कोसों दूर हैं। यादव ने सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में बैठे रसूखदार लोगों के संरक्षण के बिना इस तरह के बड़े रैकेट का चलना और पेपर लीक होना कतई संभव नहीं है। इस पूरे घोटाले में विभाग के जिम्मेदार उच्च अधिकारी और कुछ भ्रष्ट जनप्रतिनिधि पूरी तरह से आपस में मिले हुए हैं।

आईपीएल मैच पर लग रहा था करोड़ों का सट्टा, स्पेशल सॉफ्टवेयर देखकर क्राइम ब्रांच की टीम भी चौंक गई

इंदौर | इंदौर क्राइम ब्रांच ने एक मकान में दबिश देकर दो लोगों को गिरफ्तार किया। दोनों आईपीएल का सट्टा संचालित कर रहे थे। दोनों ही जगदंबा बुक समूह के सदस्य हैं, जो एक स्पेशल सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन की मदद से सट्टे का अवैध कारोबार कर पैसा कमा रहे थे।

क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के मुताबिक 15 मई की देर रात पुलिस ने रंगवासा स्थित लाभम पार्क के एक मकान में दबिश दी। यहां पर पुलिस को दो युवक मिले, जो फोन, टैबलेट और लैपटॉप पर चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ के बीच चल रहे आईपीएल मैच पर हार-जीत का दांव लगाकर अवैध रूप से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे।

जगदंबा बुक समूह के संगठित नेटवर्क से जुड़े निकले आरोपी - जब उन्हें पकड़कर पूछताछ की गई तो खुलासा हुआ कि ये दोनों जगदंबा बुक समूह के सदस्य हैं। ये दोनों आरोपी एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं, जो जगदंबा बुक समूह की लाइन से जुड़े हुए थे और अवैध रूप से लोगों से हार-जीत का दांव लगवाते थे। इसके लिए ये एक स्पेशल सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन का इस्तेमाल करते थे। पकड़ाए आरोपियों के नाम रोहित भंडारी (39) निवासी लोकनायक नगर, एयरपोर्ट रोड और अर्जुन गुप्ता (33) निवासी विधुर नगर हवा बंगला है।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने घटाए शुल्क

भोपाल। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) ने यात्रियों को राहत देते हुए यूजर चार्ज में बड़ी कटौती की है। एयरपोर्ट इकनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (एईआरए) द्वारा शुल्क कम किए जाने के बाद अब दिल्ली के मुकाबले नोएडा से उड़ानें सस्ती होने की उम्मीद बढ़ गई है। पहले अधिक शुल्क के कारण एयरलाइंस और यात्रियों दोनों में नाराजगी थी। नई व्यवस्था के तहत घरेलू यात्रियों के लिए यूजर चार्ज घटाकर करीब 490 रुपये तक कर दिया गया है। इससे एयरलाइंस का संचालन खर्च कम होगा और टिकट दरों में भी कमी आ सकती है।

मध्यप्रदेश में तेजी से फैल रहा है खसरे का संक्रमण

भोपाल। मध्यप्रदेश में बढ़ती गर्मी के बीच खसरे के संक्रमण के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। ग्वालियर के बाद अब भोपाल में भी तेज बुखार, खांसी और शरीर पर लाल दाने जैसे लक्षण वाले मरीज मिलने लगे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। डॉक्टरों का कहना है कि शुरुआत में यह सामान्य वायरल बुखार जैसा दिखाई देता है, लेकिन समय पर इलाज नहीं मिलने पर स्थिति गंभीर हो सकती है। छोटे बच्चों और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में खतरा अधिक बताया जा रहा है।

बारदाना संकटः किसानों ने लाहोटी केंद्र पर लूटी गठानें

विदिशा। जिले में बारदाना संकट लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार दोपहर लाहोटी खरीदी केंद्र पर स्थिति बिगड़ी। नागरिक आपूर्ति निगम की भेजी प्लास्टिक बारदाने की खेप में से किसानों ने अतिरिक्त गठानें लूट लीं। ठेकेदार के माध्यम से 100 गठानें 10 खरीदी केंद्रों के लिए रवाना की गई थीं। योजना के तहत हर केंद्र को 10-10 गठानें मिलनी थीं। लाहोटी केंद्र पर किसानों ने 10 की जगह 20 गठानें उतार लीं। घटना के बाद दूसरे खरीदी केंद्रों तक तय मात्रा में बारदाना नहीं पहुंच सका।

भूसा गोदाम में भीषण आग, गायें झुलसीं, बछड़े की मौत

मंडीबामोरा। बीती रात किसान रविंद्र रघुवंशी के भूसा भरे गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं। आसपास के शेड चपेट में आ गए। पशुशाला भी चपेट में आई। वहां बंधी गायें झुलस गईं। एक बछड़े की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची। प्रशासनिक अमला भी आया। ग्रामीणों की मदद ली गई। जेसीबी से दीवार तोड़ी गई। पशुओं को बाहर निकाला गया। घटना स्थल गांव के बीचोबीच था। पूरे गांव में दहशत फैल गई।

बिजली खरीदी के मनमानी समझौते रोकेंगे

अब कैबिनेट के एप्रूवल के बगैर नहीं होंगे पॉवर परचेंजिंग एग्रीमेंट

भोपाल। प्रदेश में 2003 के बाद बने बिजली संकट के बाद इससे उबरने के लिए सरकार द्वारा पॉवर जनरेशन करने वाली कम्पनियों ने मनमानी समझौते किए जा रहे थे। इसके चलते बिजली सप्लाई और डिमांड की स्थिति तो सुधरी, लेकिन कई ऐसे समझौते भी हुए जो सरकार के लिए फजीहत की वजह भी बने। स्थिति यह है कि वर्तमान में बिजली खरीद के लिए राज्य सरकार की पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी ने 1795 बिजली खरीद समझौते (पॉवर परचेजिंग एग्रीमेंट) कर रखे हैं। इसलिए अब सरकार ने तय किया है कि कैबिनेट की मंजूरी के बिना अब कोई भी पॉवर परचेजिंग एग्रीमेंट नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार इस समय बिजली के मामले में सरप्लस स्टेट में शामिल है। यहां सोलर एनर्जी ने सरकार की एनर्जी सेक्टर में मजबूती बढ़ाई है। इसे देखते हुए मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने निर्णय लिया है कि नए लांग टर्म और मिड टर्म बिजली खरीद समझौते (PPA) और बिजली आपूर्ति समझौते (PSA) मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही लागू किये जा सकेंगे। अब तक समझौते कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा अनुमोदित किए जाते थे, लेकिन अब सभी नए समझौतों के लिए कैबिनेट स्तर की मंजूरी लेना जरूरी होगा। बताया जाता है कि ऊर्जा विभाग और राज्य सरकार पहले से लगभग 1,795 छोटे, बड़े एवं लघु तथा लांग टर्म के बिजली खरीद समझौते कर चुका है। इसके चलते 26,012 मेगावाट की क्षमता के फलस्वरूप वर्तमान में प्रदेश में निर्बाध विद्युत सप्लाई पावर जनरेटिंग कम्पनी कर रही है। साथ ही मध्यप्रदेश एनर्जी सरप्लस राज्य के रूप में कार्य कर रहा है।

पहले ऊर्जा मंत्री का लेंगे अनुमोदन, फिर कैबिनेट में लाएंगे प्रस्ताव

अपर मुख्य सचिव ऊर्जानीरज मंडलोई ने बताया कि बोर्ड ने गहन विचार-विमर्श के बाद वर्तमान ऊर्जा की उपलब्धता और राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं की वर्तमान एवं भविष्य की व्यवस्था को देखते हुए यह निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि बोर्ड का यह प्रस्ताव ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के समक्ष रखा जाएगा। उसके बाद मुख्य सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री की अनुमति प्राप्त करने के लिए भेजा जाएगा।

नई नीति का उद्देश्य

दीर्घकालीन वित्तीय प्रतिबद्धताएं

दीर्घकालीन बिजली खरीद समझौते वर्षों तक सरकार पर वित्तीय प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि ये समझौते राज्य हित में और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करते हुए किए जाएं।

ऊर्जा क्षेत्र में नई तकनीक का समावेश

बायोमास, सोलर बैट्री स्टोरेज, पम्प हाइड्रो स्टोरेज, न्यूक्लियर एनर्जी जैसी नई तकनीकों से उत्पादित ऊर्जा के लिए अनुबंध प्रस्ताव आ रहे हैं। इन तकनीकों को शामिल करना राज्य की ऊर्जा स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण के लिए लाभकारी है।

सरकार की पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन

अब बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मंजूरी पर्याप्त नहीं रहेगी। सभी नए समझौतों के लिए ऊर्जा मंत्री और कैबिनेट की मंजूरी आवश्यक होगी।

नीति परिवर्तन की प्रक्रिया

ऊर्जा विभाग द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव को पहले ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के पास रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री की अनुमोदन प्रक्रिया

ऊर्जा मंत्री के अनुमोदन के बाद प्रस्ताव मुख्य सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री के पास भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही नए समझौते लागू होंगे।

रायसेन भाजपा जिलाध्यक्ष स्कूटी से कार्यालय पहुंचे

कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री की अपील का पालन करने के लिए कहा

रायसेन। रायसेन भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा शुक्रवार को स्कूटी से पार्टी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा संरक्षण और पेट्रोल-डीजल के संयमित उपयोग की अपील से प्रेरित होकर उठाया गया है। राकेश शर्मा ने गुरुवार से ही इस पहल की शुरुआत की थी। उन्होंने चार पहिया वाहन की जगह दोपहिया वाहन का उपयोग करते हुए पार्टी कार्यालय पहुंचकर ईंधन बचत का संदेश देने की कोशिश की।

शहर के भीतर दोपहिया वाहन से करेंगे यात्राः जिलाध्यक्ष ने कहा कि अब वे रायसेन शहर के भीतर होने वाले कार्यक्रमों, बैठकों और संगठनात्मक गतिविधियों में जाने के लिए दोपहिया वाहन का ही उपयोग करेंगे। उनके अनुसार, यह ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक छोटा लेकिन जरूरी कदम है।

कार्यकर्ताओं और लोगों से भी की अपीलः राकेश शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों से भी अनावश्यक ईंधन खर्च कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां कम ईंधन खपत वाले साधनों का उपयोग करना चाहिए। उनके मुताबिक पेट्रोल-डीजल की बचत केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण और भविष्य से भी जुड़ा मुद्दा है।

रेहटी के पास हादसा भोपाल के दंपती की मौत

अज्ञात वाहन ने स्कूटी को टक्कर मारी, वाहन चालक फरार

सीहोर। सीहोर जिले के रेहटी थाना क्षेत्र में देलावाड़ी मार्ग पर आज दोपहर एक सड़क हादसे में भोपाल के एक दंपती की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी स्कूटी को एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान भोपाल के भारतीय निकेतन निवासी आशुतोष दीक्षित और उनकी पत्नी ज्योति ठाकुर के रूप में हुई है। यह हादसा देलावाड़ी के समीप हुआ। बुधनी एसडीओपी रवि शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आशुतोष दीक्षित अपनी पत्नी ज्योति ठाकुर के साथ स्कूटी से जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

टक्कर मारने के बाद चालक फरारः सूचना मिलते ही रेहटी पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस टक्कर मारकर फरार हुए अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

पुलिस आसपास के ढाबों और चेकपोस्ट पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है ताकि आरोपी वाहन चालक का पता लगाया जा सके। दुर्घटना के बाद मार्ग पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई थी, जिसे पुलिस ने यातायात सुचारू कराकर सामान्य किया।

विधायक इंजीनियर ने खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण,तोल चैक की,किसानों से किया संवाद,कमियों को दूर करने के दिये निर्देश

आष्टा। आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने गेंहू खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया । खरीदी केंद्रों पर पहुचे विधायक इंजीनियर ने खरीदी केंद्रों पर किसानों से संवाद कर जानकारी ली एवं तोले जा रहे गेंहू की बोरियों को तोल कांटे पर रख कर चैक की । किसानों से संवाद कर जानकारी ली । इस अवसर पर मौके पर उपस्तिथ आपूर्ति अधिकारी मृगी अग्रवाल को विधायक ने कमियों को दूर करने के निर्देश दिये

आज औचक निरीक्षण के दौरान विधायक इंजीनियर ने स्टेट वेयरहाउस कॉरपोरेशन के परिसर क्रमांक 1 के गोदाम क्रमांक 1 वह 2 में चना मसूर की खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया गया।

स्टेट वेयरहाउस कॉरपोरेशन द्वारा किराया पर लिया गया गोदाम पर गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया गया। उक्त दोनों खरीदी केंद्रों पर आष्टा मार्केटिंग के द्वारा उपार्जन का कार्य किया जा रहा हैं ।

सलकनपुर के जंगल में अज्ञात साधु मृत मिला

प्रतिदिन दंडवत कर माता के दर्शन करते थे, परिवार के बारे में किसी को नहीं दी जानकारी

सीहोर। सीहोर के विश्व प्रसिद्ध सलकनपुर देवी धाम के जंगल क्षेत्र में एक अज्ञात बाबा का क्षत-विक्षत शव मिला है। शव लावारिस अवस्था में था और जंगली जानवरों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

पुलिस को डायल 112 पर सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पहचान स्थापित न होने के कारण कानूनी प्रक्रिया के तहत शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मंदिर में दर्शन करने आते थेः स्थानीय व्यापारी दिलीप मालवीय ने बताया कि यह बाबा कई वर्षों से सलकनपुर क्षेत्र में रह रहे थे। वे प्रतिदिन मंदिर मार्ग पर दंडवत करते हुए माता के दर्शन करने जाते थे। दर्शन के बाद वे लौटकर आसपास के लोगों से भोजन लेते थे। मालवीय के अनुसार, बाबा ने कभी अपने परिवार या निवास स्थान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। जानकारी के मुताबिक, कोरोना लॉकडाउन के बाद से बाबा लगातार इसी तरह तपस्या और भक्ति में लीन रहते थे। पुलिस फिलहाल बाबा की पहचान और उनकी मृत्यु के कारणों की जांच कर रही है।

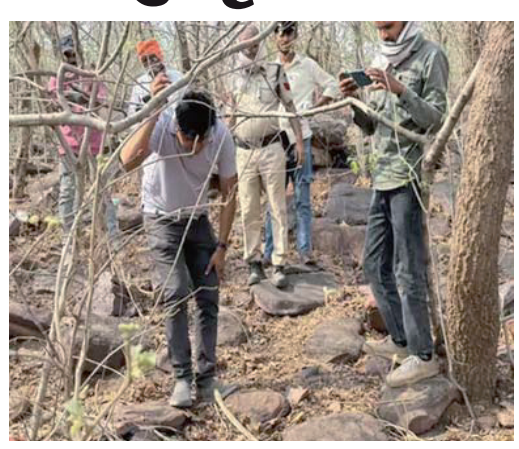

ओलंपस हाई स्कूल टीम ने बेतवा उद्गम स्थल झिरी में किया श्रमदान

विदिशा। पर्यावरण संरक्षण और नदी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ओलंपस हाई स्कूल की टीम ने बेतवा नदी के उद्गम स्थल ग्राम झिरी में श्रमदान अभियान चलाया। प्रख्यात गांधीवादी विचारक डॉ. आरके पालीवाल एवं डॉ. सुरेश गर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में विद्यालय के शिक्षक एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए परिसर की सफाई की और क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में योगदान दिया। कार्यक्रम के दौरान टीम ने उद्गम स्थल पर सफाई कर ग्रामीणों को नदियों एवं जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। स्वच्छ नदी-स्वस्थ जीवन के संदेश के साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करती हैं। इस अवसर पर स्कूल संचालक मोहित रघुवंशी ने सभी से नदियों को स्वच्छ रखने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग की अपील की।

मौसम का डबल अटैक

कहीं आसमान से बरस रही आग, कहीं 70 किमी की रफ्तार से तूफान; 10 राज्यों में रेड अलर्ट जारी

भोपाल। भारत के अलग-अलग हिस्सों में मौसम इस समय दो विपरीत लेकिन खतरनाक रूपों में दिखाई दे रहा है। एक ओर उत्तर भारत और मध्य भारत के कई राज्य भीषण लू की चपेट में हैं, वहीं दूसरी ओर दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश, आंधी और तेज हवाओं का खतरा तेजी से बढ़ गया है। भारतीय मौसम विभाग ने कई राज्यों में 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और अत्यधिक वर्षा की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक देश में मौसम का यह असामान्य स्वरूप बना रह सकता है। **दिल्ली-एनसीआर में तपती धूप और लू जैसे हालात-** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उससे जुड़े क्षेत्रों में गर्मी लगातार विकराल रूप लेती जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार 15 और 16 मई को तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दोपहर के समय गर्म हवाओं और लू जैसी परिस्थितियों के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि शाम के समय हल्के बादल छाने से कुछ इलाकों में मामूली राहत मिलने की संभावना जताई गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि 17 मई के बाद राजधानी क्षेत्र में तापमान और बढ़ सकता है, जिससे जनजीवन पर व्यापक असर देखने को मिल सकता है। **उत्तर प्रदेश और बिहार में उमस ने बढ़ाई मुश्किलें-** उत्तर प्रदेश और बिहार में भी मौसम लोगों के लिए राहत नहीं बल्कि चुनौती बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी जैसे शहरों में तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जहां सूखी और तपती हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं, वहीं पूर्वी क्षेत्रों में उमस ने हालात और कठिन बना दिए हैं। बिहार की राजधानी पटना और गया में भी भीषण गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है और तापमान 41 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने शाम के समय कुछ इलाकों में धूलभरी आंधी चलने की चेतावनी भी जारी की है। **मध्य प्रदेश और राजस्थान में ऑरेंज अलर्ट से बढ़ी सतर्कता-** मध्य प्रदेश और राजस्थान में गर्मी ने नया रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार जाने का अनुमान लगाया गया है। इंदौर, उज्जैन और रतलाम जैसे शहरों में गर्मी को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी और ओलावृष्टि की भी संभावना बनी हुई है, जिससे मौसम अचानक करवट ले सकता है। राजस्थान के फलौदी और जैसलमेर जैसे रेगिस्तानी क्षेत्रों में पारा लगातार 45 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। हालांकि जयपुर और बीकानेर के आसपास हल्की बूंदाबांदी की संभावना के कारण तापमान में मामूली गिरावट दर्ज हो सकती है। दक्षिण भारत में भारी बारिश ने बदला मौसम का मिजाज देश के दक्षिणी राज्यों में मौसम ने बिल्कुल अलग तस्वीर पेश की है। बंगाल की खाड़ी में बने दबाव क्षेत्र के प्रभाव से तमिलनाडु के नीलगिरि, कोयंबटूर और आसपास के जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने 19 मई तक लगातार वर्षा और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। कई इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की आशंका भी व्यक्त की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह बारिश दक्षिण भारत में गर्मी से राहत तो देगी, लेकिन अत्यधिक वर्षा कई स्थानों पर परेशानी भी खड़ी कर सकती है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मौसम में भी विविधता देखने को मिल रही है। देहरादून और हल्द्वानी जैसे मैदानी इलाकों में तापमान बढ़ने से लोगों को गर्मी महसूस हो रही है, जबकि शिमला और मनाली जैसे पर्यटन स्थलों पर मौसम सुहावना बना हुआ है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है, जिससे पर्यटकों को राहतभरा वातावरण मिल सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में अचानक मौसम बदलने की संभावना बनी रहेगी, इसलिए यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों को दी सावधानी बरतने की सलाह मौसम विभाग ने देशभर के लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। भीषण गर्मी वाले क्षेत्रों में लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और लू से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। वहीं भारी बारिश और तेज हवाओं वाले क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। मौसम के इस दोहरे खतरे ने फिलहाल पूरे देश में चिंता और सतर्कता दोनों बढ़ा दी हैं।

5420 प्रशिक्षु पटवारियों की होगी ऑनलाइन विभागीय परीक्षा

परीक्षा में सफल होने पर मिलेगी स्थायी सेवा, वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी का लाभ

भोपाल। मध्यप्रदेश में कार्यरत 5420 प्रशिक्षु पटवारियों के लिए अब विभागीय ऑनलाइन परीक्षा देना अनिवार्य कर दिया गया है। इस परीक्षा में सफल होने वाले प्रशिक्षु पटवारियों को स्थायी सेवा का लाभ मिलेगा, साथ ही उनके वेतन और भत्तों में भी वृद्धि की जाएगी। इस संबंध में मध्यप्रदेश भू-संसाधन प्रबंधन विभाग ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग का कहना है कि परीक्षा का आयोजन जल्द ही ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा और इसकी तारीख एमपी ऑनलाइन द्वारा तय किए जाने के बाद सभी जिलों को अलग से सूचित किया जाएगा। विभागीय जानकारी के अनुसार यह परीक्षा पहले वर्ष 2024 में आयोजित की जानी थी। उस समय 15 दिसंबर 2024 को परीक्षा प्रस्तावित थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों के चलते इसे स्थगित कर दिया गया था। उस दौरान परीक्षा में शामिल होने वाले प्रशिक्षु पटवारियों की संख्या 4786 थी, जबकि अब नई सूची तैयार होने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 5420 पहुंच गया है। विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि सूची में यदि किसी प्रकार का संशोधन, विलोपन या नए नाम जोड़ने की आवश्यकता हो तो उसकी जानकारी समय सीमा के भीतर विभाग को भेजी जाए। नए नाम जोड़ने के लिए कर्मचारी कोड और रोल नंबर जैसी जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी होगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिला कार्यालयों को पूरी सूची दोबारा भेजने की आवश्यकता नहीं है। केवल उन्हीं पटवारियों की जानकारी भेजी जाएगी, जिनमें किसी प्रकार का परिवर्तन या संशोधन हुआ हो। यदि किसी प्रशिक्षु पटवारी का स्थानांतरण होकर पदस्थापना जिला बदला गया है, तो उसकी जानकारी भी विभाग को देना अनिवार्य रहेगा। सभी जिलों को संशोधित सूची 30 मई 2026 तक विभागीय ईमेल पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा विभाग ने परीक्षा की तैयारी को लेकर भी विशेष निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले प्रशिक्षु पटवारियों को पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्र योजना और तैयारी संबंधी जानकारी दो दिनों के भीतर उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अभ्यर्थियों को पर्याप्त समय मिल सके और वे बेहतर तैयारी कर सकें। माना जा रहा है कि यह परीक्षा राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं दक्ष बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

रात को जागने का आ सकता है आदेश, पेट्रोल-डीजल पर पूर्व मंत्री का तंज, कहा- लालटेन जलाने का समय

सोना मत खरीदो यह पीएम का सोचा समझा स्टेटमेंट था। दिखावा के लिए एक गाड़ी से ऑफिस जा रहे और पीछे से 100 गाड़ियां चल रही है।

भोपाल। देशभर में पेट्रोल और डीजल में 3 रुपए की बढ़ोत्तरी हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद भी कई पंपों में गाड़ियों की लंबी लाइन है। वहीं कई पंप बंद कर दिए गए हैं। इस बीच कांग्रेस दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री पी सी शर्मा ने तंज कसा है। पी सी शर्मा ने कहा, पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों पर कहा, इसकी भूमिका उसी दिन बन गई थी जब प्रधानमंत्री ने कहा था पेट्रोल-डीजल का कम उपयोग करें। आने वाले समय में रात को जागो ये आदेश आ सकता है। जब रात को जागोगे तो दिन में आदमी सो जाएगा और डीजल पेट्रोल बचेगा। बीजेपी की नौटंकी अभी और देखने को मिलेगी। पी सी शर्मा ने आगे कहा कि पहले 8.3 प्रतिशत महंगाई बढ़ी थी अब और महंगाई बढ़ेगी। सोना मत खरीदो यह पीएम का सोचा समझा स्टेटमेंट था। दिखावा के लिए एक गाड़ी से ऑफिस जा रहे और पीछे से 100 गाड़ियां चल रही है। फिर लालटेन जलाने का समय आ सकता है। **भाजपा नेताओं की कार्रवाई पर उठाए सवाल-** पी सी शर्मा ने रैली निकालने वाले नेताओं पर की गई कार्रवाई पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि बड़ी रैली निकालने वालों में सिर्फ छोटो पर कार्रवाई हुई। केवल कुछ नेताओं को नोटिस दिया, बड़े नेताओं को नोटिस नहीं दे रहे। कार्रवाई करना है तो सभी पर करें।

निगम-मंडलों के नए अध्यक्षों की 18 मई को होगी ट्रेनिंग

मुख्यमंत्री देंगे मार्गदर्शन, 18 विभागों के वरिष्ठ अफसर समझाएंगे अधिकार और जिम्मेदारियां

इसके बाद 10 बजे से 11 बजे तक मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उद्घाटन सत्र आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सामान्य प्रशासन विभाग, वित्त विभाग और संस्थान द्वारा अलग-अलग प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में निगम, मंडल, बोर्ड, प्राधिकरण और आयोगों में नियुक्त किए गए अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और सदस्यों के लिए 18 मई को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम राजधानी भोपाल स्थित अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में सुबह 9 बजे से शुरू होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री करेंगे और वे स्वयं एक महत्वपूर्ण सत्र में नवनियुक्त पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। सरकार ने हाल ही में पांच दर्जन से अधिक नेताओं को विभिन्न निगम-मंडलों में नियुक्त करते हुए मंत्री स्तर का दर्जा प्रदान किया है। नियुक्ति के बाद अब इन पदाधिकारियों को शासन व्यवस्था, वित्तीय अनुशासन, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और विभागीय जिम्मेदारियों की जानकारी देने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे तक चलेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निदेशों के अनुसार 18 विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। ये अधिकारी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके विभागों की कार्यप्रणाली, योजनाओं, नीतियों और अधिकारों की विस्तृत जानकारी देंगे। साथ ही मंत्री दर्जा प्राप्त पदाधिकारियों को मिलने वाली प्रशासनिक सुविधाओं और जिम्मेदारियों पर भी विशेष प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 9 से 10 बजे तक पंजीयन और स्वल्पाहार से होगी। इसके बाद 10 बजे से 11 बजे तक मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उद्घाटन सत्र आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सामान्य प्रशासन विभाग, वित्त विभाग और संस्थान द्वारा अलग-अलग प्रस्तुतियां दी जाएंगी। दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक विभागवार अलग-अलग प्रशिक्षण सत्र होंगे, जिनमें विशेषज्ञ अधिकारी संबंधित पदाधिकारियों को व्यावहारिक जानकारी देंगे। अंत में भोजन और समापन सत्र आयोजित किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने विभाग से जुड़े नवनियुक्त अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। साथ ही विभागीय अधिकारियों को आवश्यक प्रस्तुतीकरण तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 63 नवनियुक्त पदाधिकारी शामिल होंगे।

मध्यप्रदेश कांग्रेस हर घर से जुटाएगी 100-100 रुपये का चंदा

संगठन और आर्थिक मजबूती के लिए शुरू होगा अभियान, बीजेपी ने कहा- यह सिर्फ शिगूफेबाजी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अब संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक स्थिति सुधारने पर भी फोकस कर रही है। पार्टी ने प्रदेशभर में हर घर 100 रुपए अभियान शुरू करने की तैयारी कर ली है। इस अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 30 हजार घरों से 100-100 रुपये का सहयोग राशि जुटाई जाएगी। कांग्रेस का कहना है कि इस फंड का उपयोग विधानसभा स्तर पर पार्टी कार्यक्रमों, संगठनात्मक गतिविधियों और अन्य आयोजनों में किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक प्रदेश कांग्रेस संगठन ने इस अभियान का प्रस्ताव दिल्ली हाईकमान को भेजा था, जिसे मंजूरी मिल चुकी है। अब जल्द ही प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर यह अभियान शुरू किया जाएगा। पार्टी ने प्रत्येक जिले में राशि संग्रह की जिम्मेदारी जिला अध्यक्षों को सौंपी है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि जनता की भागीदारी से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी और कार्यकताओं की सक्रियता भी बढ़ेगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार पार्टी लंबे समय से आर्थिक संसाधनों की कमी का सामना कर रही है। बड़े कार्यक्रमों और चुनावी गतिविधियों के लिए स्थानीय स्तर पर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते, इसलिए अब जनता के सहयोग से फंड जुटाने की रणनीति बनाई गई है। हालांकि कांग्रेस के इस अभियान पर भारतीय जनता पार्टी ने तंज कसते हुए इसे केवल दिखावा बताया है। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस हर बार बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि वर्षों से कांग्रेस द्वारा धन संग्रह अभियान की बातें की जा रही हैं, लेकिन पार्टी गुटबाजी के कारण जनता तक पहुंच ही नहीं पाती। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल कार्यकताओं को संदेश देने और मीडिया में चर्चा बटोरने के लिए ऐसे अभियान घोषित करती है। भाजपा नेताओं का कहना है कि जनता अब कांग्रेस के दावों पर भरोसा नहीं करती। वहीं कांग्रेस नेताओं का दावा है कि यह अभियान पार्टी को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। अब देखना होगा कि कांग्रेस का यह जनसहयोग अभियान प्रदेश की राजनीति में कितना असर छोड़ पाता है।

मॉडल से साध्वी बनीं हषार्नंद गिरि ने बांटी तलवारें

भोपाल।/ उज्जैन। शहर के लक्ष्मीपुरा क्षेत्र में आयोजित सात दिवसीय देवी प्रवचन एवं महानुष्ठान कार्यक्रम के समापन पर मॉडल से साध्वी बनीं हर्षा रिछारिया उर्फ साध्वी हषार्नंद गिरि एक बार फिर चर्चा में है। कार्यक्रम के अंतिम दिन दिए गए उनके बयानों ने धार्मिक और सामाजिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। **जो भगवती चाहती हैं वही होता है-** साध्वी हषार्नंद गिरि ने कहा कि कथा के शुरूआती 3 दिन बेहद अच्छे रहे, लेकिन जैसे-जैसे कार्यक्रम में लोगों की संख्या खासकर महिलाओं की भागीदारी बढ़ती गई, वैसे-वैसे उन्हें रोकने के प्रयास किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि चौथे दिन से उनके बोलने का समय कम किया और कार्यक्रम को छोटा करवाने की कोशिश हुई। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ संतों द्वारा भी इस तरह की बातें की गईं, हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। साध्वी ने कहा कि जो भगवती चाहती हैं वही होता है और अंततः कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे कि पंडाल छोटा पड़ गया। **आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर लगाएंगे-** साध्वी हषार्नंद गिरि ने नारी शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि यह आयोजन महिलाओं में चेतना जागृत करने का माध्यम बना। उन्होंने दावा किया कि पहले दिन सैकड़ों लोग और अंतिम दिन लाख के पार पहुंच गई। उन्होंने महिलाओं और बेटियों को आत्मरक्षा के लिए तलवारें भी वितरित की गई। साध्वी ने कहा कि बढ़ते लव जिहाद, धर्म परिवर्तन और महिलाओं के खिलाफ अपराधों को देखते हुए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें बेटियों और महिलाओं को तलवारबाजी सहित आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे। अब उनका संकल्प नारी शक्ति को जागृत और सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के अंत में बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के जयकारों के साथ साध्वी का समर्थन किया।

भोपाल लैब में खाद्य जांच व्यवस्था की खुली पोल

भोपाल। मध्य प्रदेश में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इंदौर में खाद्य विभाग द्वारा लगातार मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई और छापेमारी की जा रही है, लेकिन दूसरी ओर खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट समय पर नहीं मिलने से पूरी प्रक्रिया प्रभावित होती नजर आ रही है। इंदौर से लिए गए खाद्य सैंपल जांच के लिए भोपाल स्थित राज्य लैब भेजे जा रहे हैं, जहां स्टाफ की भारी कमी के कारण रिपोर्ट आने में 2 से 3 महीने तक का समय लग रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी खाद्य सैंपल की जांच रिपोर्ट 14 दिनों के भीतर संबंधित विभाग को मिल जानी चाहिए, ताकि मिलावटी या असुरक्षित खाद्य पदार्थों पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। लेकिन वर्तमान स्थिति में यह व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतरी दिखाई दे रही है। जानकारी के मुताबिक इंदौर से भेजे गए करीब 400 से 500 खाद्य सैंपल की रिपोर्ट अब तक लंबित पड़ी हुई है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल लैब में पर्याप्त तकनीकी स्टाफ नहीं होने के कारण रिपोर्ट तैयार करने में देरी हो रही है। विभाग का कहना है कि जिन खाद्य पदार्थों में शुरूआती जांच के दौरान मिलावट, मिसब्रांडिंग या असुरक्षित होने की आशंका पाई जाती है, उनकी बिक्री पर तुरंत रोक लगा दी जाती है। संबंधित व्यापारी से बॉन्ड और सिक्योरिटी भरवाई जाती है तथा रिपोर्ट आने तक उस उत्पाद को बाजार से हटाने के निर्देश दिए जाते हैं। हालांकि रिपोर्ट में लंबे समय तक देरी होने से कार्रवाई अधर में लटक जाती है। इससे न केवल विभागीय कार्रवाई प्रभावित हो रही है, बल्कि मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कदम उठाने में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जांच रिपोर्ट समय पर नहीं आएंगी, तो खाद्य सुरक्षा कानूनों का प्रभाव भी कमजोर पड़ जाएगा।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों पर मुख्यमंत्री मोहन यादव की पैनी नजर! उज्जैन में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार सिंहस्थ-2028 को भव्य, सुव्यवस्थित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए लगातार सक्रिय नजर आ रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को उज्जैन प्रवास के दौरान हरसिद्धि पाल से रामघाट मार्ग तक चल रहे चौड़ीकरण और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं तय समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा और उज्जैन के दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखते हुए सरकार हर स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। **उज्जैन को भविष्य की जरूरतों के अनुसार किया जाएगा विकसित-** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक और पौराणिक नगरी उज्जैन केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक भी है। ऐसे में सिंहस्थ-2028 के लिए शहर को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में श्रद्धालुओं की संख्या और यातायात का दबाव लगातार बढ़ेगा, इसलिए सड़क, यातायात, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं को अभी से मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के अनुसार विकास कार्यों का उद्देश्य केवल सिंहस्थ आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि उज्जैन को एक आधुनिक और व्यवस्थित धार्मिक नगरी के रूप में स्थापित करना भी है। **जनसहयोग को बताया विकास की सबसे बड़ी ताकत-** निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने उज्जैन के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न समाजों के सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि शहर के विकास कार्यों में सभी धर्मों और वर्गों के लोगों का सकारात्मक सहयोग मिल रहा है, जो देश के सामने एक नई मिसाल प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब शासन, प्रशासन और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तब बड़े आयोजन भी सफल और व्यवस्थित बनते हैं। उन्होंने विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। **रामघाट पर देखा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण-** विकास कार्यों के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री रामघाट पहुंचे, जहां होमगार्ड विभाग द्वारा आयोजित बाढ़ बचाव प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए आपदा प्रबंधन की तैयारियों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजनों में सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की मजबूत व्यवस्था अत्यावश्यक होती है, इसलिए जवानों को आधुनिक तकनीकों और परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा है। **जवानों ने दिखाया रेस्क्यू ऑपरेशन का प्रदर्शन-** प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान होमगार्ड जवानों ने डीप डाइविंग, अंडरवॉटर रेस्क्यू, सर्फेस वाटर रेस्क्यू, नाव संचालन, तैराकी और लाइफ जैकेट के उपयोग जैसी तकनीकों का प्रदर्शन किया। जवानों की दक्षता और समन्वय ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। अधिकारियों के अनुसार इन प्रशिक्षण गतिविधियों का उद्देश्य प्राकृतिक आपदा या आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी राहत कार्य सुनिश्चित करना है। सिंहस्थ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को देखते हुए यह तैयारी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। **250 जवानों को दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण-** डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट संतोष कुमार जाट ने जानकारी दी कि 250 होमगार्ड जवानों को 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में बाढ़ और अन्य आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की आधुनिक तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि प्रशिक्षित दल भविष्य में किसी भी आपात स्थिति में तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम होंगे। सरकार का लक्ष्य सिंहस्थ-2028 को केवल भव्य ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन के रूप में स्थापित करना है।

|| संपादकीय ||

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बडे-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा?

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।

पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकडे गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्नपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता।

केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हर्जाना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुर्माने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गडबड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड़ कर दिया। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे-पूरे 720 नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र पढ़ने में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपरों को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू प्रश्न गेस पेपरों में मिले।

लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है। ऐसी घटनाओं के घट जाने के बाद छात्र सिर्फ सरकार से ही न्याय की उम्मीद करते हैं। उनकी उम्मीदें नहीं टूटनी चाहिए।

पुरानी सोने की अदला-बदली योजनाएँ पर टूट रहे ग्राहक, 18 कैरेट ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शनबाजार में छाए

भारत में सोना और चांदी की बढ़ती मांग, वैश्विक अस्थिरता और आयात पर बढ़ते दबाव के बीच केंद्र सरकार, आभूषण उद्योग और खुदरा कंपनियां अब घरों और मंदिरों में पड़े निष्क्रिय सोने को फिर से अर्थव्यवस्था में लाने की दिशा में सक्रिय हो गई हैं। सरकार ने 12 मई को सोना और चांदी पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया। इसका उद्देश्य लगातार बढ़ रहे आयात को नियंत्रित करना और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को कम करना है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से अपील की है कि वह एक वर्ष तक सोने की खरीद टालने पर विचार करें ताकि देश की आर्थिक स्थिति पर अनावश्यक बोझ कम हो सके।

> भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है और अपनी जरूरत का लगभग पूरा सोना विदेशों से आयात करता है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का सोना आयात बढ़कर लगभग 68.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि 2016-17 में यह केवल 9.7 अरब डॉलर था।

हम आपको बता दें कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है और अपनी जरूरत का लगभग पूरा सोना विदेशों से आयात करता है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का सोना आयात बढ़कर लगभग 68.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि 2016-17 में यह केवल 9.7 अरब डॉलर था। वहीं चांदी का आयात भी एक दशक में तेजी से बढ़ा है और 2025-26 में यह 11.4 अरब डॉलर से अधिक हो गया। दूसरी ओर निर्यात बेहद कम है, जिससे व्यापार घाटा और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा है। स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और पेरू भारत के प्रमुख सोना आपूर्तिकर्ता हैं, जबकि चांदी मुख्य रूप से ब्रिटेन, हांगकांग और अमेरिका से आयात की जाती है।

आभूषण उद्योग का मानना है कि यदि भारतीय घरों और मंदिरों में जमा निष्क्रिय सोने का एक हिस्सा भी औपचारिक व्यवस्था के माध्यम से बाजार में वापस लाया जाए, तो आयात पर निर्भरता काफी कम हो सकती है। टाइटन कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी अशोक सोनथालिया

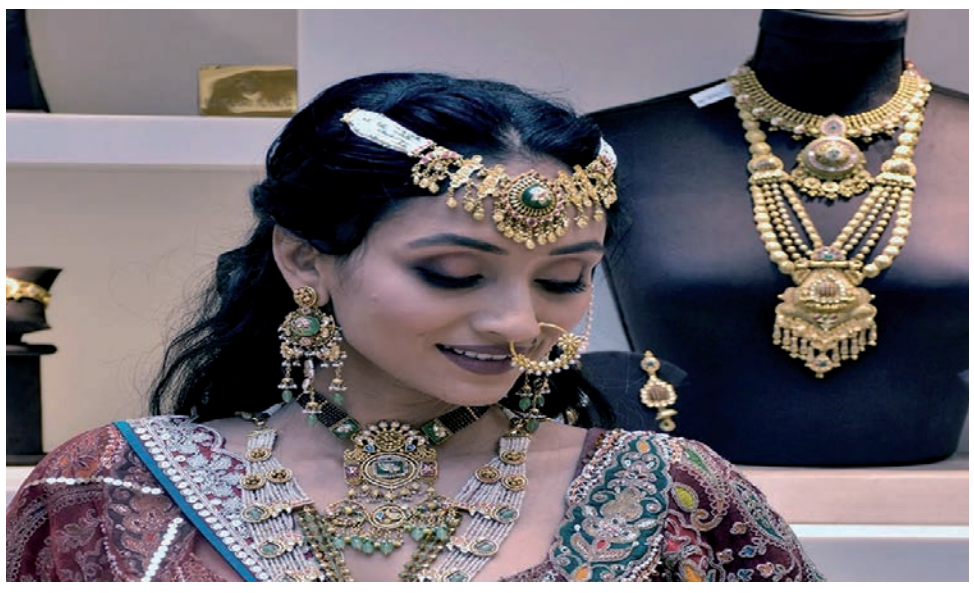

ने कहा कि भारत के नागरिकों और मंदिरों के पास दुनिया का सबसे बड़ा जमीन के ऊपर मौजूद स्वर्ण भंडार है। टाइटन ने लगभग 25 वर्ष पहले पुराना सोना विनिमय कार्यक्रम शुरू किया था और वर्तमान में उसकी कुल सोना जरूरत का लगभग 50 प्रतिशत इसी माध्यम से पूरा होता है।

कल्याण ज्वैलर्स ने भी "नेशन फर्स्ट गोल्ड फॉर इंडिया" पहल की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य इस वित्त वर्ष में पांच टन सोना आयात कम करना है। इसके तहत पुराने सोने के विनिमय कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जाएगा, हल्के वजन के 18 कैरेट आभूषणों को प्रोत्साहित किया जाएगा और स्वर्ण मुद्रीकरण योजनाओं का विस्तार किया जाएगा। कंपनी अपने 342 स्टोरों में विशेष काउंटर स्थापित करेगी, जहां ग्राहक पारदर्शी व्यवस्था के तहत सोने को नकद में बदल सकेंगे। कंपनी के अनुसार उसके कारोबार में पुराने सोने के विनिमय की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है।

उधर, रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कई सुझाव दिए हैं। परिषद का कहना है कि कम कैरेट वाले आभूषणों की बिक्री बढ़ाने से सोना आयात में 20 से 30 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। साथ ही पुराने सोने को नए आभूषणों में बदलने की संस्कृति को बढ़ावा देना भी जरूरी है। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने भी सरकार को स्वर्ण मुद्रीकरण योजना को और प्रभावी बनाने का प्रस्ताव दिया है। कंपनी के अध्यक्ष एमपी अहमद के अनुसार भारतीय परिवारों के पास भारी मात्रा में निष्क्रिय सोना मौजूद है और यदि उसका कुछ हिस्सा भी औपचारिक व्यवस्था में वापस आए तो नए आयात की आवश्यकता काफी कम हो सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय परिवार आमतौर पर आभूषण और सोने के सिक्के खरीदकर बैंक लॉकरों में सुरक्षित रखते हैं। यह सोना लंबे समय तक निष्क्रिय रहता है जबकि इसका पुनर्चक्रण देश की अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी हो सकता है। उद्योग जगत अब 22 कैरेट की बजाय 18 और 14 कैरेट के हल्के आभूषणों को बढावा देने पर भी जोर दे रहा है। टाइटन ने हाल ही में 18 कैरेट में दुल्हन आभूषणों का नया संग्रह पेश किया है।

इधर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतों में भारी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण तेल कीमतों में तेजी आई है। इसके चलते मुद्रास्फीति बढ़ने और ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से सोने की कीमतों पर दबाव बना है। हाल के दिनों में सोने की कीमतों में 13 प्रतिशत से अधिक गिरावट दर्ज की गई है। डॉलर मजबूत होने और अमेरिकी बांड प्रतिफल बढ़ने से निवेशकों का रुझान भी सोने से दूर हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि बढ़ती तेल कीमतों ने मुद्रास्फीति की आशंकाओं को फिर बढ़ा दिया है, जिससे बाजार में ब्याज दरों को लेकर संशय पैदा हो गया है।

इस बीच, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ रही हैं। इससे भारत जैसे आयात आधारित देशों पर दोहरा दबाव बन रहा है क्योंकि देश अपनी 85 प्रतिशत से अधिक तेल जरूरतें भी विदेशों से पूरी करता है। ऐसे में सोना और तेल दोनों के बढ़ते आयात से चालू खाता घाटा और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। यही कारण है कि सरकार अब नागरिकों से गैर जरूरी सोना और चांदी खरीद में संयम बरतने की अपील कर रही है।

-नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

थोक में महंगाई

अप्रैल माह में थोक महंगाई दर 8.30 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.88 फीसदी थी। बीते 42 माह में यह महंगाई का उच्चतम स्तर है। विशेषज्ञों का मानना है कि मई की महंगाई दर 9 फीसदी को पार कर सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अधिकतम महंगाई की जो सीमा तय कर रखी है, उसके मुताबिक मुद्रास्फीति 6 फीसदी से नीचे रहनी चाहिए, लेकिन अब आसार 9-10 फीसदी के बन रहे हैं। यकीनन अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। वित्तीय, राजकोषीय और चालू खाता घाटे बढ़ सकते हैं। औसत उपभोक्ता के लिए ईएमआई और ब्याज दरों का बोझ बढ़ेगा। जिस देश के नेता, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल साईकिल, बुलेट, ई-रिक्शा, रेल पर सवार दिख रहे हों और देश के आर्थिक संकट का 'मजाक' बना रहे हों, प्रधानमंत्री के आह्वान का अपमान कर रहे हों, उनके लिए महंगाई कोई चिंतित मुद्दा नहीं है, लेकिन आम आदमी के लिए मरने-जीने का सवाल है। नेतागण 'नौटंकी' करना छोड़ दें, क्योंकि उनकी गतिविधियों से संकट हल होने वाला नहीं है। यदि सुरक्षा कोई संवेदनशील मुद्दा नहीं है और संकट विकराल है, तो मंत्रीगण पैदल चलें। ये दृश्य हास्यास्पद् हैं। प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार भी इसे दहशत और चिंता की बात नहीं मानते। बहरहाल यह महंगाई सिर्फ ईरान युद्ध की देन नहीं है। बेशक कच्चे तेल के बढ़ते दाम भी महत्त्वपूर्ण कारक हैं, लेकिन कुछ और विसंगतियां भी हैं, जिनके कारण थोक महंगाई दर इतनी बढ़ी है। यदि थोक महंगाई की स्थिति यह है, तो अंततः खुदरा महंगाई दर भी अपनी मानक सीमा तोड़ कर बढ़ सकती है। नतीजतन आम आदमी की जेब ही कटेगी। देश की 90 फीसदी से अधिक कामगार जमात असंगठित है। उसमें मजदूर, किसान भी, दिहाड़ीदार, अस्थायी ठेकों पर काम करने वाले और असंख्य बाल-मजदूर आदि शामिल हैं। जो जमात औसतन 10-12 हजार रुपए महीना ही कमा पाती है, उसके घर में 3000-3500 रुपए का रसोई गैस सिलेंडर कैसे खरीदा जा सकता है? कालाबाजारी में सिलेंडर इसी दाम पर धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं। सरकारी संरक्षण के बिना 'कालाबाजार' चल ही नहीं सकता? यह वाकई शोध का विषय है।

इससे 'उज्ज्वला' की विसंगतियां भी बेनकाब होंगी। कहां है युद्ध और ऊर्जा का संकट? गैस का बड़ा सिलेंडर 1300 रुपए महंगा हो चुका है। आयातित दालें 35 फीसदी, खाद्य तेल 15 रुपए, मेवे 80 फीसदी, दूध 2-5 रुपए प्रति लीटर महंगे हो चुके हैं। पेट्रोल और डीजल के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं। चावल, चीनी, आटा, गेहूं, अंडा, मांस, मछली आदि भी महंगे बिक रहे हैं। सरकार ने चीनी के निर्यात पर रोक क्यों लगाई है? निर्यात तो पहले ही बिखर चुका है। बेशक प्याज, टमाटर, आलू की कीमतें शांत हैं। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के उत्पाद 4.62 फीसदी महंगे हुए हैं। इस क्षेत्र की बाजार में 64 फीसदी हिस्सेदारी है और सूक्ष्म स्तर पर सर्वाधिक रोजगार भी इसी क्षेत्र में है। मुंबई में सीएनजी 2 रुपए महंगी कर दी गई है, जहां 12 लाख से अधिक वाहन सीएनजी इस्तेमाल करते हैं। अर्थशास्त्री मान रहे हैं कि आम आदमी के लिए महंगाई दर 8-9 फीसदी नहीं, बल्कि 30-40 फीसदी है, क्योंकि उसकी आमदनी बेहद सीमित है और वह 'कालाबाजार' का शिकार है। इस संदर्भ में भी रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आगाह किया है कि यदि मध्य-पूर्व का संकट नहीं थमा, तो महंगाई और बढ़ेगी। तेल-गैस और खाद की किल्लत बढ़ेगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि सरकार कुछ छिपा रही है, क्योंकि भारत के पास ऐसा कोई 'करिश्मा' नहीं है कि वह ईरान युद्ध से बेअसर रह सके। लंबे वक्त तक पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम न बढ़ाए जाएं। सरकार और तेल कंपनियां कब तक घाटा झेलती रहेंगी। देश पर पहले से ही 200 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है।

टेक्नोलॉजी

फोन चार्ज होने में लग रहा है घंटों? कहीं ON तो नहीं ये सेटिंग जो चुपचाप कर देती है Charging Slow

कई लोग यह सोचकर परेशान हो जाते हैं कि ओरिजिनल फास्ट चार्जर इस्तेमाल करने के बावजूद उनका स्मार्टफोन पहले जितनी तेजी से चार्ज क्यों नहीं हो रहा. अक्सर लोग इसका दोष चार्जर, केबल या बैटरी को देने लगते हैं लेकिन असली वजह फोन में मौजूद एक खास सेटिंग भी हो सकती है. इस फीचर का नाम है Adaptive Charging. यह सेटिंग आजकल कई आधुनिक Android स्मार्टफोन्स में दी जाती है और इसका मकसद बैटरी की लाइफ बढ़ाना होता है. हालांकि, कई बार यही फीचर फोन की चार्जिंग स्पीड को काफी धीमा कर देता है.

क्या होता है Adaptive Charging? - Adaptive Charging एक स्मार्ट बैटरी मैनेजमेंट फीचर है. इसका काम फोन को हर समय फुल स्पीड में चार्ज करने की बजाय यूजर की आदतों को समझकर चार्जिंग को नियंत्रित करना होता है. मान लीजिए आप रोज रात 11 बजे फोन चार्जिंग पर लगाते हैं और सुबह 7 बजे निकालते हैं. ऐसे में फोन करीब 80 प्रतिशत तक जल्दी चार्ज होकर रुक सकता है और फिर धीरे-धीरे सुबह के समय 100 प्रतिशत तक पहुंचेगा. इस तकनीक का मकसद बैटरी पर दबाव और गर्मी को कम करना होता है ताकि लंबे समय तक बैटरी की सेहत बेहतर बनी रहे.

लोग क्यों समझ लेते हैं कि फोन खराब हो गया? - जब फोन अचानक धीरे चार्ज होने लगता है तो अधिकतर यूजर्स को लगता है कि उनका फास्ट चार्जर खराब हो गया है या केबल में समस्या आ गई है. जबकि कई मामलों में Adaptive Charging ही इसकी वजह होती है. क्योंकि यह फीचर जानबूझकर चार्जिंग स्पीड कम करता है, इसलिए यूजर्स को लगता है कि फोन में कोई तकनीकी खराबी आ गई है.

ऐसे करें सेटिंग चेक - अगर आपका फोन सामान्य से ज्यादा धीरे चार्ज हो रहा है तो एक बार Adaptive Charging सेटिंग जरूर जांच लें. अधिकतर Android स्मार्टफोन्स में यह विकल्प यहां मिलता है:

Settings » Battery » Adaptive Charging या फिर

Settings » Battery Health » Charging Optimisation

अगर आप इस फीचर को बंद कर देते हैं तो कई मामलों में फोन तुरंत पहले जैसी फास्ट चार्जिंग स्पीड पर लौट आता है.

लेकिन इसे हमेशा बंद करना सही है? - विशेषज्ञों का कहना है कि Adaptive Charging को पूरी तरह बंद रखना लंबे समय में बैटरी की लाइफ पर असर डाल सकता है. दरअसल, जब बैटरी लंबे समय तक 100 प्रतिशत चार्ज रहती है तो उसकी क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है. यही वजह है कि कंपनियां इस फीचर को डिफॉल्ट रूप से चालू रखती हैं.

कंपनियां क्यों देती हैं ये फीचर? - आजकल लोग अपने स्मार्टफोन कई सालों तक इस्तेमाल करते हैं. ऐसे में कंपनियों पर बैटरी की लाइफ बेहतर बनाए रखने का दबाव बढ़ गया है. लिथियम-आयन बैटरियों के जल्दी खराब होने की सबसे बड़ी वजह ज्यादा गर्मी मानी जाती है.

जनरल नॉलेज

सांप न बिच्छू और न शेर, इस पिद्दी से जीव की वजह से दुनिया में होती हैं सबसे ज्यादा मौतें

जब लोग दुनिया के सबसे जानलेवा जीवों के बारे में सोचते हैं तो आमतौर पर सांप, शेर, शार्क या फिर बिच्छू जैसे खतरनाक जानवर दिमाग में आते हैं. हालांकि वैश्विक स्वास्थ्य डेटा के मुताबिक हर साल सबसे ज्यादा इंसानी मौतों के लिए जिम्मेदार जानवर असल में पृथ्वी के सबसे छोटे जीवन में से एक है. अपने छोटे आकार के बावजूद मच्छर को इंसानों के लिए सबसे खतरनाक जीवित जीव माना जाता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक मच्छरों की वजह से हर साल 7 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है.

दुनिया की सबसे खतरनाक बीमारियां - मच्छर सिर्फ अपने काटने की वजह से खतरनाक नहीं होते बल्कि इस वजह से खतरनाक होते हैं क्योंकि वे जानलेवा वायरस और खतरनाक बीमारियों के रूप में काम करते हैं. जब संक्रमित मच्छर इंसानों को काटते हैं तो वह मलेरिया, डेंगू बुखार, चिकनगुनिया, जिका वायरस रोग और पीत ज्वर जैसी गंभीर बीमारियों को फैला सकते हैं.

ये बीमारियां हर साल लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं. खासकर विकासशील देशों में. यहां गर्म जलवायु और रुके हुए पानी की वजह से मच्छरों की आबादी तेजी से बढ़ती है.

मलेरिया से सबसे ज्यादा मौत - मच्छरों से होने वाली सभी बीमारियों में मलेरिया सबसे जानलेवा बनी हुई है. संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छरों द्वारा फैलाए जाने वाला मलेरिया हर साल लाखों लोगों की जान ले लेता है. खासकर अफ्रीका और एशिया के कुछ हिस्सों में छोटे बच्चों और कमजोर आबादी को. चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ी प्रगति के बावजूद भी मलेरिया अभी भी दुनिया की सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बना हुआ है.

मच्छरों से मौत - मच्छरों से जुड़ी मौतों की संख्या उन जानवरों से होने वाली मौतों की तुलना में काफी ज्यादा है जिनसे इंसान पारंपरिक रूप से डरते हैं. वैश्विक अनुमानों के मुताबिक मच्छरों की वजह से हर साल लगभग 7,25,000 मौतें होती हैं. इसकी तुलना में इंसानी हिंसा और युद्धों की वजह से हर साल लगभग 4,75,000 मौतें होती हैं. वहीं सांपों की वजह से लगभग 50,000 मौतें होती हैं. यहां तक कि जिन जानवरों को काफी खतरनाक माना जाता है जैसे कि शेर उनकी वजह से भी हर साल इंसानों की काफी कम मौतें होती हैं.

भारत, चीन या अमेरिका! किसके साथ जाएगा बांग्लादेश, पीएम तारिक रहमान की विदेश नीति पर दुनिया की नजर

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान अपनी पहली विदेश यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि तारिक रहमान अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में किसे चुनेंगेः भारत, चीन या अमेरिका। खबरों के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान और BIDA के चेयरमैन आशिक चौधरी तारिक रहमान को जून में चीन ले जाने की जोरदार कोशिशें कर रहे हैं। आशिक चौधरी ने तो एक चीनी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को हायर करने का इंतजाम भी कर लिया है, ताकि गुआंगजौ में BIDA का एक दफ्तर जल्दी से खोला जा सके और तारिक रहमान वहां उसके उद्घाटन के लिए मौजूद रहें।

नॉर्थ ईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आशिक चौधरी ने चीन के तीन प्रांतों में निवेश के लिए बड़ी-बड़ी बैठकें भी की हैं, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं हुआ है। पिछले दो सालों से चीनी निवेश में जो ठहराव आया है, वह अभी तक दूर नहीं हो पाया है। पिछले महीने बीएनपी से जुड़ी कई पार्टियों ने चीन का दौरा किया था। इसके बाद, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के लोक प्रशासन सलाहकार इस्माइल जबीउल्लाह की अगुवाई में बीएनपी के नेता चीन गए थे। बाद में, बीएनपी के महासचिव फखरुल इस्लाम आलमगीर और प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार राशिद अल टिटुमिर ने भी चीन का दौरा किया। इस महीने की शुरुआत में, खलीलुर रहमान एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बीजिंग गए थे, जहां उन्होंने तीस्ता प्रोजेक्ट में मदद मांगी थी।

बांग्लादेशी विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इससे पहले भारत और अमेरिका का भी दौरा किया था, लेकिन वो प्रधानमंत्री तारिक रहमान की यात्रा के लिए कुछ खास हासिल करने में असमर्थ रहे थे। भारत ऐसी किसी भी यात्रा से पहले "एजेंडा" तय करना चाहता था, जबकि एफबीआई की पाबंदी की वजह से तारिक रहमान का अमेरिका में दाखिला अभी भी अधर में लटका हुआ है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान लंबे समय से भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिसमें 2011 में एक FBI एजेंट ने ढाका अदालत में उनके खिलाफ गवाही दी थी।

इस बीच बांग्लादेश में चीनी राजनयिक काफी एक्टिव दिखाई दे रहे हैं। बांग्लादेश में चीन के राजदूत याओ वेन 7 मई 2026 को बीएनपी की तरफ से दिए गए एक डिनर में शामिल हुए थे। अगले दिन, ढाका के इंटरकॉन्टिनेंटल होटल में "चीन-बांग्लादेश शासन अनुभव आदान-प्रदान" नाम से हुई एक गोलमेज चर्चा में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा से दोनों देशों के बीच की साझेदारी और भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और चीन के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं और चीन, बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और जन कल्याण के कामों में अपना पूरा सहयोग जारी रखेगा। याओ वेन ने यह भी कहा कि नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय संपर्क बढ़े हैं। उन्होंने बांग्लादेश के विदेश मंत्री की हाल ही में हुई चीन यात्रा और दोनों देशों की तरफ से जारी किए गए संयुक्त बयान को आपसी रिश्तों में एक अहम प्रगति बताया। उन्होंने बांग्लादेश की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए चीन के पक्के समर्थन को दोहराया, और साथ ही "एक चीन" नीति के लिए बांग्लादेश के लगातार समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया। राजदूत ने दावा किया कि नई सरकार बनने के बाद से, चीनी कंपनियों ने बांग्लादेश में लगभग 100 मिलियन डॉलर का निवेश किया है, जिससे संभावित रूप से लगभग 10,000 नौकरियां पैदा हो सकती हैं।

चीनी राजदूत ने बताया है कि चीन बांग्लादेश में कई बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रहा है। इनमें तीस्ता नदी मास्टर प्लान, मोंगला बंदरगाह का आधुनिकीकरण, और ढाका विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए (अंतरराष्ट्रीय-स्तर का) एक आवासीय छात्रावास बनाना शामिल है। राजदूत ने हरित ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में भी रुचि व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि बीजिंग का लक्ष्य ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बांग्लादेश के साथ और अधिक निकटता से काम करना है। गौरतलब है कि नई बनी BNP सरकार ने 10,000 मेगावाट सौर ऊर्जा पैदा करने की एक योजना अपनाई है और अगले महीने इस संबंध में एक नीति की घोषणा होने की उम्मीद है।

नेपाल में सुप्रीम कोर्ट ने दिया बालेन शाह को झटका, 100 रुपये से ज्यादा कीमत के भारतीय सामानों पर रोकी कस्टम ड्यूटी

एजेंसी काठमांडू

नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने नेपाल-भारत सीमा पर कस्टम ड्यूटी वसूलने के बालेन शाह सरकार के विवादित फैसले पर रोक लगा दी है। बालेन शाह की सरकार के आदेश के तहत नेपाली अधिकारी भारतीय सीमा के रास्ते आने वाले महज 100 रुपये से ज्यादा कीमत के रोजमर्रा के इस्तेमाल पर भारी सीमा शुल्क वसूल रहे हैं। जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और टेक प्रसाद ढुंगाना की एक संयुक्त पीठ ने शुक्रवार को इस मामले में एक अंतरिम आदेश जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश में प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगले आदेश तक इस विवादित प्रावधान को लागू न करें। नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश एक रिट याचिका के जवाब में जारी किया, जिसमें वित्त मंत्रालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि 100 रुपये से ज्यादा कीमत के सामान पर सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) लगाने की नीति कस्टम एक्ट 2024 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों को सुनने के बाद फैसले पर रोक लगा दी और अदालत का अंतिम फैसला आने तक स्थिति को पूर्व की तरह रखे जाने का निर्देश दिया।

इससे पहले बालेन शाह की सरकार बनने के बाद वित्त मंत्रालय ने 100 रुपये से ज्यादा कीमत के सामान पर कस्टम ड्यूटी अनिवार्य कर दी थी। काठमांडू के इस आदेश ने भारत-नेपाल सीमा पर स्थित कस्टम चौकियों पर अजीब स्थिति पैदा कर दी थी। नेपाल में बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा की जरूरतों का छोटा सामान लेने के लिए सीमा पर स्थित भारतीय बाजारों में आते रहे हैं, लेकिन इस कदम के बाद नेपाली अधिकारियों ने सामान की जांच कड़ी कर दी थी। नेपाली अधिकारी चिप्स के पैकेट, मसाले और बिस्किट जैसी छोटी-छोटी चीजों पर सख्ती बरत रहे थे। इस कदम का तराई-मधेस क्षेत्र में जनता की तरफ से भारी विरोध हो रहा था। कई सीमा चौकियों पर लोगों और अफसरों के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो रही थी। इस अंतरिम आदेश ने बालेन शाह सरकार को अंतिम फैसला आने तक इस तरह की ड्यूटी वसूलने से रोक दिया है।

ईरान पर किसी भी तरह की बमबारी से इनकारः ट्रंप की पलटमार नीति ने बढ़ाई इजरायल की टेंशन

एजेंसी वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रति सद्भावना दिखाने के लिए ईरान के साथ युद्धविराम पर सहमति जताई और फारस की खाड़ी में स्थित इस देश पर किसी भी तरह की और बमबारी से इनकार किया। ट्रंप ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के पक्ष में हैं। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था और आठ अप्रैल से हमले तब रोक दिये गये थे जब युद्धरत पक्षों ने पाकिस्तान की मध्यस्थता से युद्धविराम पर सहमति जताई थी।

ट्रंप ने चीन से अमेरिका लौटते समय 'एयर फोर्स वन' में पत्रकारों से कहा, ''हमने दूसरे देश के अनुरोध पर युद्धविराम किया। मुझे इससे बहुत लाभ होता, लेकिन हमने पाकिस्तान के प्रति सद्भावना दिखाने के लिए ऐसा किया। फील्ड मार्शल और प्रधानमंत्री दोनों ही शानदार लोग हैं।'' ट्रंप ने ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देने और तेहरान द्वारा वर्षों से संचित समृद्ध यूरेनियम को वापस लेने के अपने संकल्प को दोहराया।

उन्होंने कहा कि ईरानी वार्ताकार दावा कर रहे थे कि अमेरिकी हवाई हमलों में उनके परमाणु केंद्रों को नुकसान पहुंचा है और वे परमाणु ईंधन को पुनः प्राप्त करने की स्थिति में नहीं हैं। ईरान से जुड़े सवालों के जवाब में ट्रंप ने कहा, ''उन्होंने एक भयानक रहस्य उजागर किया है। उन्होंने कहा कि वे इसे हटा नहीं सकते क्योंकि उनके पास इसे हटाने की तकनीक नहीं है। उनके पास न तो समय है और न ही इसका अनुभव।''

ट्रंप की ईरान को लेकर बदलते बयान और पाकिस्तान के प्रति छलकते प्रेम ने इजरायल की टेंशन को बढ़ा दिया है। इजरायल को आशंका है कि ट्रंप उसे ईरान के खिलाफ अकेला छोड़ सकते हैं। उसे यह भी लग रहा है कि ट्रंप की इन नीतियों का फाया ईरान और पाकिस्तान दोनों उठा सकते हैं। इन दोनों देशों से इजरायल के संबंध तनावपूर्ण हैं।

दुश्मन का दुश्मन दोस्त ? ईरान के हमलों ने बदला मिडिल ईस्ट का `नक्शा', सऊदी को छोड़ इजरायल के पाले में पहुंचा यूएई

एजेंसी तेल अवीव/अबू धाबी

ईरान युद्ध ने मिडिल ईस्ट की राजनीति को हमेशा के लिए बदल दिया है। खाड़ी में नये समीकरण दिखने लगे हैं। तेहरान ने अमेरिका से चल रहे युद्ध के दौरान इजरायल से भी ज्यादा मिसाइल और ड्रोन संयुक्त अरब अमीरात (UAE) पर गिराए, उसके तेल संसाधनों पर हमले किए। जिसके बाद यूएई ने भी मिराज-2000 विमानों से ईरान के तेल रिफाइनरी को तबाह कर दिया। ईरानी मिसाइलों से सुरक्षा के लिए इजरायल ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम को अबू धाबी की सुरक्षा के लिए भेज दिया था। इन तमाम घटनाओं ने यूएई और सऊदी के बीच की दूरी को और बढ़ा दिया है।

नया समीकरण ये बन रहा है कि इजरायल और यूएई करीब आ चुके हैं जिससे ईरान के साथ अबू धाबी के संबंध और खराब होंगे। सऊजी अरब के साथ पहले ही यूएई के संबंधों में दूरी आ चुकी थी और ये फासला और बढ़ेगा। इसके अलावा अरब के कई देश अभी भी इजरायल को 'दुष्ट देश' मानते हैं जिसका असर आने वाले वक्त में दिखेगा। फिलहाल के लिए फोकस सऊदी अरब, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात पर रहने वाला है।

चैथम हाउस में मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका प्रोग्राम की डायरेक्टर सनम वकील ने एएफपी की एक रिपोर्ट में कहा है "UAE भविष्य के बारे में सोच रहा है और इजरायल को सबसे अच्छा सुरक्षा पार्टनर मानता है जो उसकी आर्थिक रिकवरी के लिए सुरक्षा कवच दे सकता है।" सुरक्षा और रक्षा के मामले में उनकी यह दांव सफल होती दिख रही है। मंगलवार को इजरायल में अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने इस बात की पुष्टि की कि युद्ध के दौरान इजरायल ने अपनी 'आयरन डोम' एयर डिफेंस बैटरियां और सैनिक UAE भेजे थे। आपको बता दें कि 2020 में बहरीन के साथ यूएई ने भी इजरायल को मान्यता दी थी और ऐसा करने वाला वो पहले इस्लामिक देशों में था।

UAE सरकार के करीबी लेबनानी-अमीराती मीडिया एग्जीक्यूटिव और नीति सलाहकार नदीम कोटेइच ने एएफपी से कहा "तत्काल कार्रवाई की भावना पर्याप्त नहीं थी जबकि यह देश की स्थापना के बाद से हमारे सामने आया सबसे बड़ा अस्तित्वगत खतरा है। लेकिन इस युद्ध में जब UAE को जरूरत थी तब इजरायली उसके साथ खड़े हुए।" अमीराती इन्फ्लुएंशर और कुछ अधिकारियों ने ईरान युद्ध खत्म होने के बाद इजरायल के साथ सहयोग को उसके लिए सबसे आदर्श स्थिति के दौर पर पेश करना शुरू कर दिया है। पिछले महीने UAE के राष्ट्रपति के सलाहकार अनवर गरगाश ने कहा था कि इस क्षेत्र में ईरान की "रणनीति" के परिणामस्वरूप खाड़ी में इजरायल और अमेरिका का प्रभाव और बढ़ेगा।

दोनों देशों के बीच के संबंध ईरान युद्ध से पहले यमन विवाद के बाद ही खराब होने लगे थे। इजरायल और यूएई की दोस्ती सऊदी को और दूर करेगा। अबू धाबी ने संकेत दिया है कि वह अपना अलग रास्ता बना रहा है भले ही इसका मतलब पारंपरिक गठबंधनों को छोड़ना हो। यूएई ने इस महीने सऊदी के दबदबे वाले OPEC से बाहर निकलने का ऐलान कर दिया और उसने अरब लीग की कड़ी आलोचना भी की है। नई दिल्ली में BRICS की बैठक के दौरान भी ईरान के साथ उसका टकराव साफ नजर आया। यूएई ने अब ईरान को दुश्मन करार दिया है।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के लिये 'करो या मरो' का मुकाबला, नजरें सूर्यवंशी पर

नयी दिल्ली, एजेंसी | राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स को प्लेआफ की उम्मीदें बनाये रखने के लिये रविवार को आईपीएल का महत्वपूर्ण मुकाबला हर हालत में जीतना होगा और नजरें इस पर लगी होंगी कि वैभव सूर्यवंशी सीम और स्विंग के महारथी मिचेल स्टार्क का सामना कैसे करते हैं ।

दिल्ली के 12 मैचों में दस अंक है और प्लेआफ में जगह बनाने की उसकी संभावना नहीं के बराबर है । इस मैच में हार से वह दौड़ से बाहर ही हो जायेगी ।

वहीं रॉयल्स के 11 मैचों में 12 अंक है और एक सप्ताह के ब्रेक के बाद टीम तरोताजा होकर मैदान पर लौटेगी । उनकी पूरी कोशिश होगी कि दिल्ली उनके रंग में भंग नहीं डाल सके ।

सचिन तेंदुलकर के बाद कोई युवा खिलाड़ी देशवासियों का इस कदर चहेता नहीं बना है जैसे बिहार के समस्तीपुर का सूर्यवंशी बन चुका है । वह फिरोजशाह कोटला पर पहली बार खेलेगा और उनको बल्लेबाजी करते देखना का ऐसा क्रेज है कि फ्री पास मांगने वालों की होड़ मची हुई है ।

आईपीएल के 19 साल में दिल्ली कैपिटल्स के प्रशंसक वफादार नहीं रहे हैं। जब कोटला पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू खेलती है तो दर्शक 'कोहली कोहली' चिल्लाते हैं जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के खेलने पर पूरा कोटला पीले रंग में रंग जाता है और सात नंबर की धोनी की जर्सी ही सर्वत्र नजर आती है ।

इतने साल में अपने प्रशंसकों का बेस नहीं बना सकी दिल्ली की टीम रविवार को उतरेगी तो इसमें कोई अचरज नहीं होगा अगर दर्शक सूर्यवंशी की हौसलाअफजाई करें ।

पिछले 11 मैचों में 40 छक्के लगा चुके और 236 . 55 की स्ट्राइक रेट से 440 रन बना चुके सूर्यवंशी जबर्दस्त फॉर्म में हैं और अब देखना होगा कि स्टार्क उन्हें कैसे रोक पाते हैं ।

स्टार्क का आईपीएल में प्रदर्शन मिला जुला रहा है । आईपीएल 2024 के फाइनल में उन्होंने बेहतरीन पहला स्पैल डालकर केकेआर की जीत की नींव रखी थी । अगर स्टार्क टेस्ट क्रिकेट वाला अपना फॉर्म लेकर उतरते हैं तो सूर्यवंशी के लिये मुश्किलें खड़ी हो सकती है ।

अब तक 400 से ज्यादा टेस्ट विकेट ले चुके स्टार्क को शुरूआती स्विंग और सीम मिल जाती है तो सूर्यवंशी की तकनीक की असल परीक्षा होगी ।

दिल्ली की टीम ने पिछले कुछ मैच सपाट पिचों पर खेले हैं । उसके लिये कप्तान अक्षर पटेल (12 मैचों में दस विकेट) और कुलदीप यादव (11 मैचों में सात विकेट) का खराब फॉर्म चिंता का सबब रहा है । लुंगी एंगिडि को छोड़कर तेज गेंदबाज भी नहीं चल सके हैं ।

के एल राहुल अकेले बल्लेबाज रहे हैं जिन्होंने दिल्ली के लिये लगातार रन बनाये हैं । नीतिश राणा और समीर रिजवी को बड़ी पारियां खेलनी होंगी ।

रॉयल्स के लिये चिंता की बात कप्तान रियान पराग (10 मैचों में 207 रन) का खराब फॉर्म है । रॉयल्स के गेंदबाजों ने जोफ्रा आर्चर की अगुवाई में अच्छा प्रदर्शन किया है ।

टीमें : दिल्ली कैपिटल्सः अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), अमन राव, शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, ब्रिजेश शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, एडम मिल्ने, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, यशराज पुंजा, युद्धवीर सिंह। मैच का समय : शाम 7.30 से ।

248 चेज नहीं कर पाई गुजरात, केकेआर ने रोका शुभमन की सेना का 'विजयरथ', गिल-सुदर्शन की फिफ्टी बेकार

नई दिल्ली, एजेंसी | कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुजरात टाइटंस को 29 रनों से हरा दिया है. इस जीत के साथ कोलकाता ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीद को कायम रखा है. फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी और कैमरून ग्रीन की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत केकेआर की टीम बड़ी जीत दर्ज करने में कामयाब रही. गुजरात टाइटंस के लिए भी 3 बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाया. साई सुदर्शन, जोस बटलर और शुभमन गिल की अर्धशतकीय पारी गुजरात को जीत तक नहीं ले जा सकीं.

KKR ने रोका गुजरात का विजयरथ - गुजरात टाइटंस लगातार पांच मैच जीत चुकी थी और पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 फिनिश की तरफ बढ़ रही थी. मगर कोलकाता की इस जीत ने विजयरथ पर सवार शुभमन गिल और उनकी सेना को हरा दिया है. ईडन गार्डन्स पर खेले गए इस मुकाबले में कोलकाता की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 247 रनों का स्कोर

खड़ा किया था. यह आईपीएल के इतिहास में केकेआर का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा.

गुजरात की टीम जब विशालकाय लक्ष्य का पीछा करने आई तो उसकी शुरुआत अच्छी रही. गुजरात 3 ओवरों में 42 रन जड़ चुकी थी, लेकिन तभी साई सुदर्शन चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए. सुदर्शन के बाहर जाते ही बल्लेबाजी का मोमेंटम टूट गया और अगले पांच ओवरों में गुजरात के बल्लेबाज केवल 32 रन जोड़ पाए. यही कहीं ना कहीं मैच का टर्निंग पॉइंट भी साबित हुआ.

मैच में लगी 6 फिफ्टी - इस मुकाबले में कुल मिलाकर 465 रन बने और कुल 6 अलग-अलग बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाया. कोलकाता के लिए फिन एलन (93 रन), अंगकृष रघुवंशी (82 रन) और कैमरून ग्रीन (52 रन) ने फिफ्टी लगाई. दूसरी ओर गुजरात के लिए शुभमन गिल (85 रन), साई सुदर्शन (53 रन) और जोस बटलर (57 रन) ने अर्धशतक लगाया. बता दें कि सुदर्शन आईपीएल 2026 में लगातार चार अर्धशतक लगा चुके हैं.

मथीशा पाथिराना आईपीएल 2026 में कोलकाता के लिए पहली बार खेलने आए थे, लेकिन 8 गेंद फेंकने के बाद दोबारा से चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए. साई सुदर्शन भी चोटिल हुए थे, लेकिन उन्होंने बाद में वापसी की और अपना अर्धशतक पूरा किया, जो गुजरात के काम न आ सका.

पंजाब की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाकर प्लेऑफ में जगह पक्की करने उतरेगा आरसीबी

धर्मशाला, एजेंसी | मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में पंजाब किंग्स की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा।

धर्मशाला के बेहद खूबसूरत स्टेडियम में होने वाले इस मैच का मुख्य आकर्षण निश्चित तौर पर विराट कोहली रहेंगे जिन्होंने पिछले मैच में शतक लगाया था।

धौलाधार पर्वतमाला की मनमोहक पृष्ठभूमि में कोहली की बल्लेबाजी देखने के लिए दिल्ली और पंजाब से बड़ी संख्या में प्रशंसक हिमाचल के पहाड़ों की ओर रवाना हो चुके हैं।

आरसीबी टूर्नामेंट की एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। उसकी टीम पंजाब के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतारेगी।

टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करने वाले पंजाब किंग्स पर लगातार पांच मैच में हार के बाद टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

आरसीबी की टीम जहां अंक तालिका में बेहद अच्छी स्थिति में है पंजाब किंग्स की टीम के लिए एक और हार प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद कर देगी।

पंजाब किंग्स यहां खेले गए पिछले दो मैच में अंतिम पांच ओवर में अपनी गेंदबाजी पर नियंत्रण बनाए रखने में असफल रहा और इस तरह से 210 और 200 रन का बचाव नहीं कर पाया। असल में इस प्रारूप के इतिहास में 200 से अधिक का स्कोर बनाने के बाद सबसे अधिक मैच (10) हारने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम पर है।

जेवियर बार्टलेट और मार्को यानसन जैसे गेंदबाज पूरे टूर्नामेंट में महंगे साबित हुए हैं जिससे पंजाब को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करने की जरूरत है। अर्शदीप सिंह ने पिछले मैच में किफायती गेंदबाजी की जबकि अजमतुल्लाह उमरज़ई ने सत्र के अपने पहले ही मैच में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया।

विजयकुमार वैशाक को पिछले मैच में मौका नहीं मिला लेकिन अंतिम ओवरों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम उन्हें फिर से अंतिम एकादश में शामिल कर सकती है।

पंजाब की बल्लेबाजी अच्छी रही है लेकिन पिछले कुछ मैच में वह इस विभाग में भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया है। गेंदबाजी वह विभाग है जिसमें पंजाब को बहुत ज्यादा सुधार करने की जरूरत है।

जहां तक आरसीबी का सवाल है तो वह बेहद संगठित टीम नजर आ रही है। 37 वर्षीय कोहली बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने रायपुर में केकेआर के खिलाफ 60 गेंदों में 105 रन बनाए थे।

भुवनेश्वर कुमार और जोश हेज़लवुड सहित उसके तेज गेंदबाज यहां की परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। दर्शकों की नजर फिर से कोहली पर होगी जो एक और बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

टीम इस प्रकार हैंः पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, पायला अविनाश, यश ठाकुर, हरनूर सिंह, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

आरसीबीः रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल। मैच भारतीय समयानुसार 3.30 बजे शुरू होगा।

व्यापार

देश में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों की लॉन्चिंग अटकी

ऑटो कंपनियां बोलीं- पहले फ्यूल मिले, तेल कंपनियों ने कहा- पहले गाड़ियां आएं

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार देश में पेट्रोल पर निर्भरता कम करने के लिए फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां तेजी से सड़क पर उतारना चाहती है, लेकिन यह प्लान अब ' पहले मुर्गी आई या अंडे' वाली उलझन में फंस गया है। ऑटोमोबाइल कंपनियां बड़े पैमाने पर तब तक हाई-एथेनॉल ब्लेंड वाली गाड़ियां बनाने को तैयार नहीं हैं, जब तक बाजार में पर्याप्त मात्रा में फ्लेक्स फ्यूल उपलब्ध न हो। वहीं, तेल कंपनियां तब तक E85 और E100 जैसे फ्यूल के स्टोरेज और सप्लाई में निवेश करने से कतरा रही हैं, जब तक सड़कों पर इन्हें चलाने वाली गाड़ियां न आ जाएं। अब सरकार दोनों पक्षों से बात कर रही है।

क्या है फ्लेक्स-फ्यूल और भारत की जरूरत?

फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां सामान्य गाड़ियों से अलग होती हैं, क्योंकि ये पेट्रोल के साथ किसी भी मात्रा में एथेनॉल-मिक्स पेट्रोल पर चल सकती हैं। अभी भारत में 20% एथेनॉल वाले (E20) पेट्रोल अनिवार्य है। सरकार अब E85 (85% एथेनॉल + 15% पेट्रोल) और E100 यानी 100% एथेनॉल जैसे फ्लैक्स फ्यूल की ओर बढ़ना चाहती है, ताकि कच्चे तेल के आयात को कम किया जा सके। एथेनॉल को गन्ने के रस, मक्का और सड़े हुए अनाज जैसे कृषि उत्पादों से बनाया जाता है। ये फ्यूल पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद करता है। 28 फरवरी को मिडिल ईस्ट में युद्ध शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जिससे भारत का आयात बिल तेजी से बढ़ा है।

तेल कंपनियों की चिंताः एथेनॉल स्टॉक खराब होने का डर

तेल कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि हाई-एथेनॉल ब्लेंड वाले फ्यूल को लंबे समय तक स्टोर करना जोखिम भरा है। अगर स्टॉक का उपयोग तुरंत नहीं हुआ, तो एथेनॉल नमी सोख लेता है, जिससे इंजन खराब या कोरोड (जंग लगना) हो सकता है। कंपनियों का मानना है कि जब तक मांग सुनिश्चित नहीं होती, तब तक स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना घाटे का सौदा है।

ऑटो सेक्टर की मांगः फ्यूल सप्लाई पर मिले स्पष्टता

दूसरी तरफ, ऑटो कंपनियों का तर्क है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां सामान्य पेट्रोल गाड़ियों के मुकाबले महंगी होंगी। ऐसे में ग्राहक इन्हें तभी खरीदेंगे जब उन्हें देशभर में फ्यूल की उपलब्धता का भरोसा मिले। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब तक फ्यूल सप्लाई पर स्पष्टता नहीं आती, तब तक इन गाड़ियों की डिमांड पैदा करना मुश्किल है।

क्रूड इम्पोर्ट घटाना है सरकार की प्राथमिकता

अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 90% तेल आयात करता है। हालांकि वित्त वर्ष 2026 में तेल आयात बिल पिछले साल के 137 बिलियन से घटकर 123 बिलियन रहा है, लेकिन सरकार इसे और कम करना चाहती है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी ऊर्जा संकट को देखते हुए वैकल्पिक ईंधन अपनाने पर जोर दिया है।

समुद्र की लहरों पर क्रूज कंपनियां बेच रहीं सेहतः योग, ध्यान और लॉन्जेविटी को अब नया बिजनेस मॉडल बना रहीं लग्जरी क्रूज इंडस्ट्री

लंदन, एजेंसी। समुद्री यात्राएं अब बदल रही हैं। कभी जुआघर, आलीशान खान-पान और नाच-गाने के लिए मशहूर यह सेक्टर 'वेलनेस टूरिज्म' की ओर मुड़ चुका है। 2026 के रुझान बताते हैं कि अब यात्रियों को सिर्फ छुट्टियां नहीं, बल्कि मानसिक शांति और शरीर को ऊर्जावान बनाने का अनुभव बेचा जा रहा है।

इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है ओरिएंट एक्सप्रेस और सौंदर्य जगत के बड़े नाम गुर्लेन की 'ओशन रीबर्थ' स्कीम। अक्टूबर 2026 में पुर्तगाल से बारबाडोस तक चलने वाली यह 14 दिनों की समुद्री यात्रा दुनिया के सबसे बड़े पाल वाले जहाज ओरिएंट एक्सप्रेस कोरिंथियन पर शुरू होगी। इस विशेष अनुभव के लिए शुरुआती किराया 67 लाख रुपए तय किया गया है। कंपनी के अनुसार, यह केवल एक आलीशान जहाज की यात्रा नहीं है, बल्कि 'पूर्ण स्वास्थ्य यात्रा' है।

इसमें हर यात्री की सेहत की जांच कर उनके लिए खान-पान, शारीरिक गतिविधियों और उपचार की व्यक्तिगत स्कीम तैयार की जाएगी। गुर्लेन ने आधिकारिक बयान में कहा, 'इस यात्रा का उद्देश्य यात्रियों को स्वास्थ्य का गहरा अनुभव देना है। बीमारियों से बचाव और मानसिक मजबूती को यात्रा का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है।' जहाज पर ध्यान, योगासन और सांस संबंधी वर्कशॉप के साथ-साथ उच्च तकनीक वाले उपचार भी मिलेंगे।

गुर्लेन का दावा है कि उनका विशेष उपकरण पहली बार 7 उन्नत सौंदर्य तकनीकों को एक साथ पेश करता है, जो त्वचा और स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। इस यात्रा में मार्गदर्शन के लिए कई विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। इनमें प्रख्यात सौंदर्य विशेषज्ञ अमेली डेमांजे, श्वसन क्रिया विशेषज्ञ आर्थर गुएरिन और आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डेबोरा पासुती होंगे। 5,380 वर्ग फुट का गुर्लेन केंद्र इस यात्रा का मुख्य आकर्षण है, जहां भाप स्नान, विश्राम कक्ष और खुले आसमान के नीचे तैरने के लिए खास पूल जैसी सुविधाएं हैं। संपन्न यात्री अब दिखावे वाली सुविधाओं के बजाय 'परिवर्तनकारी अनुभव' चाहते हैं, जहां लग्जरी के साथ बेहतर स्वास्थ्य का मेल हो।

सालाना 14% की रफ्तार से बढ़ रहा लग्जरी क्रूज बाजार, 2035 में 273 अरब डॉलर का होगा

यह बदलाव सिर्फ एक कंपनी तक सीमित नहीं है। वर्जिन वॉयेज और एक्सप्लोरा जर्नीज जैसी बड़ी कंपनियां भी अब मानसिक शांति और ध्वनि उपचार जैसे कार्यक्रमों पर जोर दे रही हैं। बिजनेस रिसर्च इनसाइट की रिपोर्ट के अनुसार यह लग्जरी क्रूज बाजार 13.9% की सालाना रफ्तार से बढ़ रहा है। 2026 में 9.9 अरब डॉलर (करीब 94.7 हजार करोड़ रुपए) और 2035 तक 31 अरब डॉलर के पार जा सकता है। स्वास्थ्य पर्यटन बाजार के 2026 तक 273 अरब डॉलर (करीब 26 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंचने का अनुमान है।

Gold Investment करने वालों को बड़ा झटका, MCX पर सोना औंधे मुंह गिरा, मार्केट में चिंता

वायदा कारोबार में सोने की कीमत शुक्रवार को 2,880 रुपये घटकर 1.59 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मजबूत अमेरिकी डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कम होने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जून में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंधों का भाव 2,880 रुपये या 1.78 प्रतिशत टूटकर 1,59,098 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इसमें 7,714 लॉट का कारोबार हुआ। लेमॉन मार्केट्स डेस्क के अनुसंधान विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि मजबूत डॉलर और जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार की धारणा में उतार-चढ़ाव आया और इसी वजह से शुक्रवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई। विश्लेषकों के अनुसार, सरकार के बृहस्पतिवार को सोने पर 100 किलोग्राम की मात्रा सीमा के साथ अन्य पाबंदियां लगाने के निर्णय के बाद अतिरिक्त दबाव बना। यह गिरावट वैश्विक बाजारों में कमजोरी के अनुरूप रही, जहां न्यूयॉर्क में जून में आपूर्ति वाले अनुबंध के लिए कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 112.75 डॉलर या 2.41 प्रतिशत घटकर 4,572 डॉलर प्रति औंस रह गया।

सरकारी बैंकों की बैलेंस शीट मजबूत, घटे खराब कर्ज के मामले

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSBs) की तरफ से बट्टेखाते में डाले गए कर्ज की राशि वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर कई वर्षों के निचले स्तर पर आ गई। कर्ज फंसने के मामलों में कमी और बकाया कर्ज की वसूली में सुधार इसके प्रमुख कारण रहे। सार्वजनिक बैंकों के वित्तीय नतीजों के द्वारा किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और इंडियन बैंक सहित अधिकांश बैंकों ने पिछले 8 वर्षों में सबसे कम कर्जों को बट्टेखाते में डाला। बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2025-26 में 6,330 करोड़ रुपए के कर्ज बट्टेखाते में डाले, जो 2017-18 के बाद सबसे कम है। इसी तरह, बैंक ऑफ इंडिया ने 5,735 करोड़ रुपए बट्टेखाते में डाले जो 2015-16 के बाद न्यूनतम स्तर है। इंडियन बैंक का कर्ज बट्टाखाता 2018-19 के बाद सबसे कम 6,695 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह, इंडियन ओवरसीज बैंक का 1,189 करोड़ रुपए रहा, जो कई वर्षों के निचले स्तर पर है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष में 1,718 करोड़ रुपए के कर्ज बट्टेखाते में डाले, जो 2021-22 के बाद सबसे कम है।

आमतौर पर बैंक उन कर्जों को बट्टेखाते में डालते हैं, जिनकी वसूली की संभावना कम होती है और जिनके लिए 100 प्रतिशत वित्तीय प्रावधान करना पड़ता है। कर्ज को बट्टेखाते में डालने से बैंकों का बहीखाता साफ-सुथरा होता है और फंसे कर्ज (एनपीए) का स्तर कम दिखता है। हालांकि, बैंक फंसे कर्ज को बट्टेखाते में डालने के बाद भी वसूली की कोशिश जारी रखते हैं, ताकि बाद में मुनाफे को समर्थन मिले। रेटिंग एजेंसी इक्रा के वित्तीय क्षेत्र प्रमुख सचिन सचदेवा ने कहा कि सार्वजनिक बैंकों के बट्टेखाते में डाली गयी कर्ज राशि में कमी की मुख्य वजह नए एनपीए में गिरावट, पुराने फंसे कर्जों में कमी और वसूली में सुधार है। बैंकों ने प्रावधान कवरेज अनुपात भी मजबूत किया है, जिससे बट्टेखाते में डालने की जरूरत घटी है।

वित्त मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक पीएसबी का सकल एनपीए अनुपात घटकर 1.93 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए 0.39 प्रतिशत रह गया, जो ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर है। इस दौरान फंसे कर्ज की कुल वसूली 86,971 करोड़ रुपए रही। बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, कर्ज वृद्धि और आय में बढ़ोतरी के चलते पीएसबी का शुद्ध लाभ 11.1 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह लगातार चौथा साल है जब सरकारी बैंकों ने सकल रूप से मुनाफा दर्ज किया।

डॉलर के आगे रूपया धड़ाम, क्रूड ऑयल की आग ने लगाया 30 पैसे का तगड़ा झटका

रुपया शुक्रवार को 30 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर चिंताओं से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि तेल की कीमतों में तेजी के बीच डॉलर की खरीदारी जारी रहने के कारण रुपया दबाव में है और यह 96 के निशान के बहुत करीब बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.86 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 तक टूट गया जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक कमजोर हुआ। हालांकि, अंत में दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.64 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.05 पर रहा।

इण्डिया एक्सपोर्ट की शानदार शुरुआत, ग्लोबल चैंजेज के बावजूद अप्रैल में 14% की ज़बरदस्त ग्रोथ

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का निर्यात अप्रैल में 13.78 प्रतिशत बढ़कर 43.56 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि अप्रैल में आयात में पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 71.94 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान व्यापार घाटा 28.38 अरब डॉलर रहा। अग्रवाल ने कहा कि पिछले महीने पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात 28 प्रतिशत घटकर 4.16 अरब डॉलर रहा, जबकि अप्रैल 2025 में यह 5.78 अरब डॉलर था। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया से आयात अप्रैल में 31.64 प्रतिशत घटकर 10.47 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 15.32 अरब डॉलर था।

सोनल चौहान बर्थडे स्पेशल: इमरान हाशमी के अपोजिट जन्नत से डेब्यू, फिर तमिल-तेलुगू फिल्मों में भी बिखेरा जलवा

बॉलीवुड की ग्लैमरस और खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार सोनल चौहान का जन्मदिन 16 मई को है। उनका जन्म 16 मई 1985 को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में हुआ था। रॉयल बैकग्राउंड से ताल्लुक रखने वाली सोनल ने अपनी खूबसूरती और मेहनत के दम पर मॉडलिंग से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, वह सिर्फ अपनी फिल्मों ही नहीं, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ और रिलेशनशिप्स को लेकर भी कई बार चर्चा में रह चुकी हैं। फिल्मों में आने से पहले सोनल चौहान ने साल 2005 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब अपने नाम किया था। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय महिला बनी थीं। इसी उपलब्धि ने उनके लिए ग्लैमर वर्ल्ड के दरवाजे खोल दिए। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग, विज्ञापनों और म्यूजिक एल्बम्स में काम करना शुरू किया और धीरे-धीरे फिल्मों की दुनिया तक पहुंच गईं। सोनल की जिंदगी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2008 में आया, जब उन्हें फिल्म जन्नत में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में उनके अपोजिट इमरान हाशमी नजर आए थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और सोनल रातोंरात चर्चा में आ गईं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्ममेकर कुणाल देशमुख ने सोनल को मुंबई के एक रेस्टोरेंट में देखा था और उसी वक्त तय कर लिया था कि यही लड़की उनकी फिल्म की हीरोइन बनेगी। महज सात दिनों के अंदर सोनल को फिल्म के लिए साइन कर लिया गया।

जन्नत में सोनल की सादगी और खूबसूरती को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म के गाने और उनकी स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और कई फिल्मों में नजर आईं।

सोनल हिमेश रेशमिया के फेमस एल्बम आप का सुरूर में भी दिखाई दी थीं। इस म्यूजिक वीडियो से भी उन्हें अच्छी पहचान मिली थी। वह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें संगीत में भी काफी रुचि है। फिल्म 3जी में उन्होंने मशहूर सिंगर केके के साथ कैसे बताऊं गाना भी गाया था।

सोनल ने अपनी पढ़ाई दिल्ली के गार्गी कॉलेज से मास कम्युनिकेशन में की थी। उनका सपना पत्रकारिता की दुनिया में करियर बनाने का था। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि उन्हें पत्रकारिता में गहरी दिलचस्पी थी और वह पढ़ाई भी जारी रखना चाहती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें फिल्मों की दुनिया में ले आई।

अगर उनके फिल्मी करियर की बात करें तो जन्नत के अलावा उन्होंने बुड्ढा होगा तेरा बाप, 3जी, लेजेंड, पलटन, द घोस्ट और एफ3ः फन एंड फ्रस्टेशन जैसी फिल्मों में काम किया। हिंदी फिल्मों के अलावा उन्होंने तमिल, तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया।

सोनल अपने रिलेशनशिप्स को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहीं। फिल्म 3जी के दौरान उनका नाम अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ जुड़ा। दोनों के अफेयर की खबरें खूब चलीं, हालांकि बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया। बाद में सोनल ने इन खबरों को अफवाह बताते हुए कहा था कि वे और नील सिर्फ अच्छे दोस्त थे और साथ काम करने की वजह से इस तरह की बातें उड़ने लगी थीं।

रॉयल बैकग्राउंड से ताल्लुक रखने वाली सोनल ने अपनी खूबसूरती और मेहनत के दम पर मॉडलिंग से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, वह सिर्फ अपनी फिल्मों ही नहीं, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ और रिलेशनशिप्स को लेकर भी कई बार चर्चा में रह चुकी हैं। फिल्मों में आने से पहले सोनल चौहान ने साल 2005 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब अपने नाम किया था। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय महिला बनी थीं।

आज भी सोनल चौहान अपनी फिटनेस, फैशन और स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और ग्लैमरस अंदाज फैंस को खूब पसंद आते हैं।

आखिरी सवाल को लेकर त्रिधा चौधरी ने बताया, यह फिल्म महज प्रोजेक्ट नहीं, एक भावना है

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी फिल्म आखिरी सवाल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों के ईर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी और समीरा रेड्डी ने अपने अनुभव और विचार शेयर किए। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी का कहना है कि यह फिल्म महज एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावना है। उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म में सारा नाम की छात्रा का किरदार निभाया है। मेरा मानना है कि शैक्षिक संस्थान ही वह जगह है, जहां भविष्य के नेता तैयार होते हैं। हम सभी की अपनी-अपनी विचारधाराएं होती हैं और उन पर हमारा अटूट विश्वास होता है। त्रिधा ने आगे कहा कि

सिनेमा में वह ताकत है, जो आपको अपनी बात रखने की सिनेमाई आजादी देती है। उन्होंने पूरी टीम का जिक्र करते हुए कहा, इस फिल्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है। फिल्म के जरिए हमने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में विचारधारा कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अभिनेत्री समीरा रेड्डी फिल्म के जरिए लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने आखिरी सवाल में वामपंथी विचारधारा वाली महिला का किरदार निभाया है, जो कहानी के भीतर की स्थिति को चुनौती देती है।

समीरा ने कोलकाता आने पर प्रसन्नता जाहिर की और कहा, मैं यहां पर मौजूद सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। साथ ही, सिटी ऑफ जॉय में वापस आकर बहुत खुश हूं। मैं कहना चाहूंगी कि मिथुन दा को 20 साल बाद देखकर मैं बहुत खुश हूं। तो यह वैसा पल है, जिसके लिए मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मिथुन दा को देखकर बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि स्क्रिप्ट के बारे में सबसे प्रभावशाली बात, खासकर अभिजीत वरन जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक के साथ, यह थी कि वह कोई उपदेश नहीं दे रहे थे। वह बस तथ्य सामने रख रहे थे।

अभिनेत्री ने अपने किरदार डॉ. पल्लवी के बारे में बताया कि वह अलगाववादी विचारधारा की है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा पात्र है, जो समाज में दबे हुए सवालों को कुरेदता है और लोगों के बीच हलचल पैदा करता है। एक महिला कलाकार के तौर पर इस तरह का सशक्त और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना मेरे लिए मजेदार था।

तीन साल की उम्र से ठुमकने लगी थीं धक धक गर्ल

बतौर कथक नृत्यांगना नौवें साल में मिला था स्कॉलरशिप

सिने लवर्स जब भी धक धक गर्ल का जिक्र करते हैं तो वो मुस्कान और अनोखे नृत्य की मल्लिका माधुरी दीक्षित का चेहरा आंखों के सामने आ जाता है। दर्शकों को एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाली अभिनेत्री न केवल अभिनय व खूबसूरती बल्कि डांसिंग में भी कमाल हैं। हालांकि, कम ही लोग जानते हैं कि वह 3 साल की उम्र से ठुमकने लगी थीं और नौवें साल में उन्हें पहली बार स्कॉलरशिप भी मिला था। 15 मई 1967 को मुंबई में जन्मीं माधुरी ने बहुत जल्दी कथक नृत्य में अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू कर दी। बचपन से ही नृत्य के प्रति जुनून रखने वाली माधुरी दीक्षित आज भी अपनी अदाकारी और नृत्य से दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ वह कल्चरल एक्टिविटीज में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने माइक्रोबायोलॉजिस्ट बनने के लिए कॉलेज जॉइन किया, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उनकी किस्मत का रास्ता अभिनय की ओर मुड़ गया। साल 1984 में राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म 'अबोध' से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म को खास सफलता नहीं मिली, लेकिन माधुरी को पहली ही फिल्म के लिए आलोचकों की सराहना मिली। इसके बाद वह 'आवारा बाप', 'स्वाती', 'हिफाजत' और 'उत्तर दक्षिण' जैसी फिल्मों में नजर आईं। साल 1988 में आई फिल्म 'तेजाब' ने उनके करियर को नई दिशा दी। फिल्म में 'मोहिनी' गाने पर उनका नृत्य रातोंरात सुपरहिट हो गया और माधुरी दीक्षित स्टार बन गईं।

बचपन से ही नृत्य के प्रति जुनून रखने वाली माधुरी दीक्षित आज भी अपनी अदाकारी और नृत्य से दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ वह कल्चरल एक्टिविटीज में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं।

एक समय ऐसा भी आया कि 90 के दशक में माधुरी दीक्षित बॉलीवुड की सबसे बड़ी स्टार मानी जाती थीं। फिल्म 'दिल' के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। इसके बाद 'बेटा', 'हम आपके हैं कौन' और 'दिल तो पागल है' जैसी फिल्मों ने उन्हें चार फिल्मफेयर अवॉर्ड दिलाए। 'खलनायक', 'अंजाम', 'मृत्युदंड' और 'साजन' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अभिनय किया।

साल 1999 में माधुरी दीक्षित ने डॉ. श्रीराम माधव नेने से शादी कर ली। इसके बाद वह अमेरिका चली गईं, लेकिन साल 2007 में 'आजा नचले' से वापसी की। 2002 में 'देवदास' में चंद्रमुखी का रोल उनके करियर की बेहतरीन भूमिकाओं में शुमार है, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। उन्होंने 2014 में 'डेढ़ इश्किया' और 'गुलाब गैंग' जैसी फिल्मों में सशक्त भूमिकाएं निभाईं। 2018 में मराठी फिल्म 'बकेट लिस्ट' और 2019 में 'कलंक' व 'टोटल धमाल' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

माधुरी दीक्षित की एक्टिंग व डांस का जादू आज भी बरकरार है। वह रियलिटी शोज में बतौर जज भी कई बार नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा, अपनी प्रोडक्शन कंपनी के कामों में व्यस्त रहती हैं।

राशा थडानी ने श्रीनिवास मंगापुरम के अपने पसंदीदा गाने मंगा मंगा की मेकिंग को किया याद

अभिनेत्री राशा थडानी ने 'मंगा मंगा' गाने के मेकिंग का वीडियो साझा किया है। उन्होंने इसे अपना पसंदीदा गाना बताया है। अभिनेत्री फिल्म 'श्रीनिवास मंगपुरम' से तेलुगु सिनेमा में कदम भी रखने जा रही हैं। राशा ने अपने और नवोदित कलाकार जया कृष्णा घट्टामनेनी का एक वीडियो साझा किया, जो दिग्गज अभिनेता कृष्णा के पोते हैं। इस वीडियो में दोनों उसी स्थान पर गाने पर नृत्य करते हुए नजर आ रहे हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, पसंदीदा गाना और पसंदीदा लोग। 'मंगा मंगा' अब रिलीज हो गया है।

आगामी फिल्म का टीज़र 16 अप्रैल को महेश बाबू द्वारा जारी किया गया था, जिनके भतीजे जया कृष्णा घट्टामनेनी इस फिल्म से नवोदित अभिनेता के रूप में जुड़ रहे हैं।

तिरुपति के मंदिर नगर में आधारित यह फिल्म वासु बाबू और मंगा की कहानी है, जो दोस्त से प्रेमी बन जाते हैं और खुशी से जीवन बिताते हैं। हालांकि एक अप्रत्याशित संघर्ष उनके जीवन में परेशानी पैदा कर देता है। मंगा के शहर छोड़ने से इनकार करने पर वासु बाबू अपने प्यार के लिए हर कीमत पर लड़ने का फैसला करते हैं। यह कहानी आधुनिक प्रेम और गहरी भावनाओं का सुंदर मिश्रण है। प्यार जताने के लिए जोड़े द्वारा हवा में गोली चलाने और बाद में नायक पर बंदूक ताने जाने जैसे दृश्य अजय भूपति की खास शैली को दिखाते हैं।

इस फिल्म का निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं, जिन्होंने सुपरहिट फिल्में 'आरएक्स 100' और 'मंगलवारम' में अपनी दमदार कहानी कहने की शैली के लिए खूब सराहना हासिल की है। अभिनेता और निर्माता मोहन बाबू इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

बॉलीवुड स्टार रवीना टंडन की बेटी राशा ने अजय देवगन अभिनीत फिल्म 'आज़ाद' से 2025 में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। यह पीरियड ड्रामा फिल्म अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित है। इसमें दिया मिर्जा और नवोदित अभिनेता आमन देवगन भी हैं।

यह फिल्म 1920 के दशक के भारत में घटित होती है, जहां एक युवा अस्तबल का लड़का एक जोशीले घोड़े के साथ अनोखा रिश्ता बना लेता है। विद्रोह और अत्याचार के बीच, उस राजसी घोड़े की सवारी करने की उसकी कोशिश एक साहसिक यात्रा में बदल जाती है, जो उसे देश के स्वतंत्रता संग्राम के प्रति जागरूक करती है। राशा अगली बार बॉलीवुड की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'लाइकी लाइका' में नजर आएंगी। इस फिल्म में 'मुंज्या' फिल्म के लिए मशहूर अभय वर्मा भी हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम टू द जंगल का टीजर रिलीज, तू मरता क्यों नहीं डायलॉग के साथ शुरू हुई जबरदस्त नोक-झोंक

अभिनेता अक्षय कुमार स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल का शुक्रवार को टीजर रिलीज कर दिया गया है। यह वेलकम फिल्म फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट है, जिसमें पुराने कई सारे सितारे नजर दर्शकों का मनोरंजन करते दिखेंगे। 1 मिनट 30 सेकंड का टीजर देखने में काफी जबरदस्त है। इसकी शुरुआत टाइटल सॉन्ग से होती है, जिसमें फिल्म में शामिल लोगों के नाम दिखाए गए हैं। टीजर देखकर लग रहा है कि दर्शकों को इस बार कॉमेडी का डबल डोज देखने को मिलेगा। एक्शन-कॉमेडी भी भरपूर है। टीजर में अक्षय कुमार एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज में नजर आ रहे हैं। वहीं, सुनील शेट्टी की एंट्री ने फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है। दोनों की कॉमिक टाइमिंग टीजर की सबसे बड़ी खासियत बनकर सामने आई है। एक मजेदार सीन में सुनील शेट्टी, अक्षय कुमार पर पन गन तानकर कहते हैं, तू मरता क्यों नहीं? इस पर अक्षय जवाब देते हैं, मैं मरने में जान डाल रहा हूं। फिर सुनील कहते हैं, अरे, मरने में कोई जान डालता है क्या? टीजर देखकर प्रतीत होता है कि वेलकम टू द जंगल पूरी तरह हंसी, कन्फ्यूजन और मस्ती से भरपूर होगी। इसमें अफरा-तफरी और नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट के साथ यह फिल्म दर्शकों को फुल-फैमिली एंटरटेनमेंट देगी। अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी की नोक झोंक एक बार फिर उसी कॉमिक अंदाज में लौटती नजर आ रही है, जिसे दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। इसमें अभिनेत्री रवीना टंडन भी नजर आएंगी। हालांकि, रवीना की हल्की-सी झलक ही देखने को मिली है। इस फिल्म के जरिए अभिनेता अक्षय कुमार और रवीना टंडन दो दशक से भी ज्यादा समय के बाद साथ में ऑन-स्क्रीन वापसी करेंगे। अहमद खान के निर्देशन में बन रही इस मूवी में अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा सहित कई कलाकारों की टुकड़ी देखने को मिलेगी। साजिद नाडियाडवाला और स्टार स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मॉडलिंग ने दिया आत्मविश्वास, मीडिया ने दिलाई नई पहचान

स्वप्निता राय चौकसे से साधना एक्सप्रेस के प्रबंध संपादक आशीष नेमा से खास बातचीत

साधना एक्सप्रेस जबलपुर।

कहते हैं कि "पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं" और इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है जबलपुर की उभरती हुई मीडिया एवं फैशन जगत की चर्चित हस्ती स्वप्निता राय चौकसे ने। अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने मॉडलिंग से लेकर मीडिया क्षेत्र तक अपनी अलग पहचान बनाई है।

फैशन और मीडिया जगत में सक्रिय रहने के साथ-साथ स्वप्निता समाज सेवा के क्षेत्र में भी लगातार कार्य कर रही हैं। जबलपुर जैसे बड़े शहर में उन्होंने यह साबित किया है कि ईमानदारी, समर्पण और निरंतर मेहनत से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है।

विशेष संवाददाता आशीष नेमा से बातचीत में स्वप्निता राय चौकसे ने अपने जीवन, करियर, संघर्ष और उपलब्धियों को लेकर खुलकर चर्चा की।

स्वप्निता ने बताया कि वह मूल रूप से भोपाल की रहने वाली हैं और उन्होंने पुणे यूनिवर्सिटी से MBA (Honours) इन मार्केटिंग किया है। वर्तमान में वह सेल न्यूज़ में डायरेक्टर, Fancy Francy की ओनर और Trident ग्रुप की डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। इसके साथ ही वह रोटरी क्लब जबलपुर एवं WE For Women संस्था में वाइस प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

उन्होंने बताया कि MBA के बाद उन्होंने Wildcraft कंपनी में RM के रूप में कार्य करते हुए कॉर्पोरेट मैनेजमेंट का अनुभव हासिल किया। वर्ष 2017 में विवाह के बाद वह जबलपुर आ गईं, जहां से उनके जीवन को नई दिशा मिली।

फैशन और समाज सेवा के प्रति अपने रुझान को लेकर स्वप्निता ने कहा कि उन्हें शुरू से ही फैशन और टीचिंग में रुचि थी। वर्ष 2019 में उन्होंने एक NGO से जुड़कर समाज सेवा का कार्य शुरू किया। इसके बाद वर्ष 2020 में प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेकर मॉडलिंग और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के क्षेत्र में आगे बढ़ीं।

उन्होंने अपने करियर की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए बताया कि वर्ष 2021 उनके जीवन का सबसे खास साल रहा। इस दौरान उन्होंने लगातार तीन बड़े ब्यूटी टाइटल अपने नाम किए —

Mrs MP 2021

Mrs Glare India 2021

Mrs India Beautiful Face 2021

इसके बाद वर्ष 2024 में उन्हें Mrs India Nation के खिताब से भी सम्मानित किया गया।

मॉडलिंग और मीडिया को साथ में संभालने के सवाल पर स्वप्निता ने कहा कि मॉडलिंग ने उन्हें आत्मविश्वास दिया, जबकि मीडिया ने लोगों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने बताया कि CEL News में डायरेक्टर के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने कई सामाजिक और सांस्कृतिक इवेंट्स का सफल आयोजन किया है।

कंटेंट क्रिएशन को लेकर उन्होंने कहा कि यह आज के समय का बेहद प्रभावशाली माध्यम है, जिसके जरिए वह फैशन, मोटिवेशन, महिला सशक्तिकरण और समाज सेवा से जुड़े विषयों को लोगों तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं।

महिलाओं के लिए संदेश देते हुए स्वप्निता ने कहा कि शादी और परिवार के बाद भी महिलाएं अपनी अलग पहचान बना सकती हैं। आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच से हर मंजिल हासिल की जा सकती है।

अपने भविष्य के लक्ष्यों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह आगे भी मीडिया, फैशन और समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर महिलाओं और युवाओं को प्रेरित करने का कार्य करती रहेंगी।

शनि जयंती पर शनि मंदिरो में लगा भक्तों का ताँता

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा*।

राजेश नीरस. शनिवार को ज्येष्ठ अमावस्या के पावन अवसर पर गाडरवारा के बोदरी नाका स्थित शनि मंदिर मे शनि जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। शनिवार को सुबह से ही शनि मंदिर मे भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी जो देर रात तक जारी रही। शनि भक्तों ने मंदिर में भगवान शनिदेव के दर्शन कर तेलाभिषेक, पूजन, हवन एवं आरती आदि धार्मिक अनुष्ठान किये । इसके अलावा दोपहर को कन्या भोज से भंडारे का सिलसिला प्रारम्भ होकर देर रात तक चला। मंदिर परिसर में झूले पऱ भगवान शनिदेव की मूर्ति के भी भक्तों ने दर्शन किये। उल्लेखनीय है कि ज्येष्ठ अमावस्या और शनिवार का यह दुर्लभ संयोग अत्यंत शुभ और पुण्यदायी माना गया है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान शनिदेव की पूजा अर्चना करने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैया के कष्टों में राहत मिलती है तथा जीवन में सुख, शांति और न्याय की प्राप्ति होती है। शनि मंदिर में देर रात तक शनि भक्तों की भीड़ देखी गई। भक्तों ने शनिदेव के दर्शन कर एवं प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ लिया

वट सावित्री व्रत पर मातृशक्ति ने की पूजन अर्चना

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. शनिवार को ज्येष्ठ अमावस्या के पावन अवसर पर महिलाओ ने वट सावित्री व्रत रखकर वट वृक्ष की पूजन अर्चना की। नगर मे सुबह से ही वट वृक्षो के पास महिलाओ के समूह पूजन करते दिखे। उल्लेखनीय है कि सनातन धर्म में ज्येष्ठ मास की अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। यह अमावस्या केवल पितरों की शांति और पुण्य कर्मों के लिए ही नहीं, बल्कि सुहागिन महिलाओं के अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु के लिए भी अत्यंत पवित्र माना जाती है। इसी दिन श्रद्धा और विश्वास के साथ वट सावित्री व्रत किया जाता है। यह व्रत भारतीय संस्कृति में नारी के समर्पण, प्रेम, त्याग और अटूट विश्वास का अद्भुत प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि जिस प्रकार माता सावित्री ने अपने तप, निष्ठा और पतिव्रता धर्म के बल पर अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त कर लिए थे, उसी प्रकार यह व्रत करने वाली महिलाओं को अखंड सौभाग्य, सुखी वैवाहिक जीवन और परिवार की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन अभिजीत मुहूर्त में पूजा करना अत्यंत शुभ माना गया है। वट सावित्री व्रत का संबंध केवल एक धार्मिक परंपरा से नहीं, बल्कि एक अत्यंत प्रेरणादायक पौराणिक कथा से भी जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि राजा अश्वपति की पुत्री सावित्री अत्यंत तेजस्विनी, बुद्धिमती और पतिव्रता थीं। उन्होंने सत्यवान को अपना पति चुना, जबकि उन्हें यह ज्ञात था कि सत्यवान की आयु बहुत अल्प है। विवाह के कुछ समय बाद ही वह दिन आया जब सत्यवान के प्राण जाने वाले थे। सत्यवान वन में लकड़ी काटते समय मूर्छित होकर गिर पड़े और तभी यमराज उनके प्राण लेने पहुंचे। माता सावित्री भी यमराज के पीछे-पीछे चल पड़ीं। उन्होंने अपनी बुद्धिमत्ता, धर्म और पतिव्रता धर्म के बल पर यमराज को प्रसन्न कर लिया। अंततः यमराज ने सत्यवान को पुनर्जीवन प्रदान किया। कहा जाता है कि यह चमत्कार वट वृक्ष के नीचे हुआ था, इसलिए इस दिन वट वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। विदित हो कि वट सावित्री व्रत के दिन सुहागिन महिलाएं प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ और नए वस्त्र धारण करती हैं तथा सोलह श्रृंगार करती हैं। इसके बाद व्रत का संकल्प लेकर माता सावित्री और सत्यवान का स्मरण किया जाता है। शाम के समय वट वृक्ष के नीचे जाकर विधि-विधान से पूजा की जाती है। पूजा के दौरान सूती वस्त्र, लाल पुष्प, सिंदूर, अक्षत, जनेऊ, चंदन, पान-सुपारी, कच्चा सूत और मौली अर्पित की जाती है। वट वृक्ष के समीप घी का दीपक जलाकर श्रद्धा अनुसार सात या 108 बार परिक्रमा करते हुए पेड़ पर कच्चा सूत या मौली लपेटी जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और स्थिरता बनी रहती है।

इस व्रत में भीगे हुए चने अथवा चने की दाल का विशेष महत्व बताया गया है। इसे माता सावित्री और सत्यवान को अर्पित करना आवश्यक माना गया है। इसके अतिरिक्त आम, जामुन, केला, तरबूज, खरबूजा और नारियल जल जैसे ऋतु फल भी पूजा में शामिल किए जाते हैं। गुड़ से बनी मिठाई अथवा मीठी पूरी का भोग भी अत्यंत शुभ माना गया है।

व्रत के दौरान माता सावित्री को सुहाग की वस्तुएं जैसे सिंदूर, कुमकुम, मेहंदी, चूड़ियां और बिंदी अर्पित की जाती हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से माता सावित्री प्रसन्न होकर व्रती महिला को अखंड सौभाग्य और सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। गौरतलब है कि वट सावित्री व्रत केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में पति-पत्नी के बीच अटूट विश्वास, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि सच्चा प्रेम, धैर्य, निष्ठा और धर्म का पालन जीवन की सबसे बड़ी शक्तियां हैं। माता सावित्री का चरित्र आज भी भारतीय नारी के आदर्श रूप में पूज्यनीय माना जाता है।

अटल बिहारी मंदिर में पुरुषोत्तम मास में होंगे धार्मिक आयोजन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. तीन वर्षों की प्रतीक्षा के बाद आज 17 मई दिन रविवार से पुरुषोत्तम मास प्रारंभ हो रहा है। इस मास में नगर के श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर के पुजारी कमलेश भार्गव ने बताया कि पुरुषोंत्तम मास को मलमास भी कहते हैं। मंदिर में सुबह 5 बजे ब्रह्म मुहूर्त की अमृतवेला में भगवान श्री पुरुषोत्तम जी का निर्माण कर विधिवत पूजन अर्चन प्रारंभ हो जाएगा और प्रतिदिन 6 बजे से भगवान का पूजन अर्चन होगा। उन्होंने बताया कि केवल 17 मई को ही सुबह 5:00 बजे से पूजन प्रारंभ होगा। उन्होंने महिलाओं से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में श्री देव अटल बिहारी युगल सरकार के सानिध्य में पुण्य पवित्र पुरुषोत्तम मास के पूजन कार्यक्रम में सहभागी बनें

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आज 17 मई को

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा*।

राजेश नीरस. कौरव सेवा समिति द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आज 17 मई रविवार को दोपहर 12 बजे से गाडरवारा के रायल पैलेस में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस आयोजन में कौरव समाज के कक्षा 10 वी व 12 वी मध्यप्रदेश एवं सेंट्रल बोर्ड 2026 में '85%' प्रतिशत से अधिक अंक वाले छात्र छात्राओं एवं 2025-26 में सरकारी नौकरी प्राप्त सामाजिक युवाओं सहित नवोदय विद्यालय में चयनित सामाजिक बच्चों का सम्मान किया जायेगा। कौरव सेवा समिति ने उपस्थिति की अपील की है

पंच कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण का आयोजन आज 17 मई से

कामती में 17 मई से 25 मई तक होगा आयोजन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा*।

राजेश नीरस. समीपी ग्राम कामती के यज्ञ शाला प्रांगण में 5 कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण का आयोजन कार्यक्रम के प्रेरणास्त्रोत अवधूत महायोगी श्री दादा गुरु भगवान की प्रेरणा से 17 मई से 25 मई तक किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 मई को सुबह 8 बजे से कलश यात्रा निकाली जाएगी। प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक संतो के प्रवचन होंगे जिनमे अवधूत महायोगी दादा गुरु भगवान के प्रवचन 23 मई से 24 मई तक, कथावाचक के प्रवचन 18 एवं 19 मई को, साध्वी सत्यप्रिया गिरी जी (श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर काशी पीठ) के प्रवचन 19 मई से 20 मई तक,

साध्वी सुश्री प्रभा भारती जी (श्री वृंदावन धाम) के प्रवचन 21 मई से 22 मई तक आयोजित होंगे। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम में मां खेड़ापति रामलीला मंडल (सिंहपुर छोटा) द्वारा 25 मई तक प्रतिदिन रात्रि 10 बजे से रामलीला होगी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय श्रद्धांलुओं से उपस्थिति की अपील की गई है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कमला पार्क स्थित शनि मंदिर में पूजा-अर्चना की

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनि जयंती के अवसर पर शनिवार को कमला पार्क स्थित शनि मंदिर में दर्शन किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनि मंदिर और हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की और मंदिर में आए अनके दर्शनार्थियों से भी भेंट की । उन्होंने श्रद्धालुओं और बच्चों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। इस अवसर विधायक श्री भगवान दास सबनानी के अलावा श्री राहुल कोठारी और अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698